RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 250 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 10-04-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा ने सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूची से नाम हटाए : ममता

6 सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने वाली हो शिक्षा नीति

7 विद्या बालनः एक ऐसी अभिनेत्री जो हर भाषा में रचती हैं जादू

फर्स्ट टेक

लेबनान में इजराइल के हमलों में 203 लोग मारे गए

बेरुत/एपी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को मध्य बेरुत और अन्य क्षेत्रों में इजराइल के हमलों में कम से कम 203 लोग मारे गए। मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि हमलों में 1,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इजराइल और लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से पिछले पांच सप्ताह में बुधवार को सबसे ज्यादा लोग मारे गए। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उलटबांसी

बहरों की सभा सुन रही है,
गूंगे अब गाते मधुर गान।
लूले मैराथन जीत रहे,
बाबाजी देते अतुल दान।
गुणवान सड़क पर घूम रहे,
हो रहा ढपोरों का बखान।
हर तरफ भ्रष्ट ही भ्रष्ट मगर,
अपना भारत फिर भी महान।।

समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाएं प्रगति करती हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश भर की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

मोदी ने सभी सांसदों से इस महत्वपूर्ण संशोधन का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने अपनी वेबसाइट 'नरेन्द्र मोदी डॉट इन' पर प्रकाशित एक लेख में यह भी कहा कि यह पहल उस सिद्धांत की पुष्टि है जिसने लंबे समय से भारत के इस सभ्यतागत लोकाचार का मार्गदर्शन किया है कि समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाएं प्रगति करती हैं। उन्होंने कहा कि अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश एक ऐतिहासिक अवसर की दहलीज पर खड़ा है और यह इसके लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने और समानता एवं समावेशन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का अवसर है।

दुनिया में संघर्षों के बीच नवकार मंत्र का जाप बहुत प्रासंगिक : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरी दुनिया के कल्याण के लिए यहां नवकार मंत्र का सामूहिक जाप करना ऐसे समय में बहुत ही सार्थक और प्रासंगिक है, जब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न विचारधाराओं को लेकर संघर्ष चल रहे हैं।

'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' पर आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मंत्र मनुष्य के जीवन को एक ऊंचे रास्ते की ओर ले जाते हैं, हमारी चेतना को जगाते हैं और नेक इरादों को मज़बूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में जब दुनिया को शांति की बहुत ज़रूरत है, नवकार मंत्र का सामूहिक जाप माहौल को शुद्ध करने और मन की अशांति को शांत करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, ''इससे आपसी समझ, सद्भाव और एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता भी मज़बूत होगी।''

शाह ने कहा कि नवकार मंत्र की परंपरा हज़ारों सालों से चली आ रही है, जिसमें 24 तीर्थंकरों और उनके अनुयायियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

विधानसभा चुनावः

असम, पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान, केरल में 78 प्रतिशत से अधिक वोट पड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/भाषा। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कई जगहों पर रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, असम में 85% से अधिक, केरल में 78% से अधिक और पुडुचेरी में लगभग 86% मतदान हुआ।

असम में इस बार मतदान प्रतिशत 2021 के 82.04% से भी अधिक रहा, जो इसे ऐतिहासिक बनाता है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसे जनता की मजबूत भागीदारी का संकेत बताया। वहीं, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने मतदाताओं को बदलाव की उम्मीद के साथ मतदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

केरल में पारंपरिक रूप से उच्च मतदान देखा जाता है और इस बार भी 78% से अधिक मतदान हुआ। यहां मुख्य मुकाबला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के बीच है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन सहित कई वरिष्ठ नेताओं और प्रसिद्ध हस्तियों ने मतदान किया। फिल्म अभिनेता ममूटी और मोहनलाल भी मतदान में शामिल हुए।

पुडुचेरी में भी शांतिपूर्ण मतदान हुआ, जहां 86% से अधिक वोटिंग दर्ज की गई। यहां सत्तारूढ़ एआईएनआरसी गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर है।

तीनों क्षेत्रों में कुल मिलाकर मतदान प्रक्रिया काफी हद तक शांतिपूर्ण रही, हालांकि असम में कुछ स्थानों पर मामूली झड़पें और हिंसा की घटनाएं सामने आईं, जिनमें कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया।

इन चुनावों में बड़ी संख्या में उम्मीदवार मैदान में हैंअसम में 126 सीटों पर 722 उम्मीदवार और केरल में 140 सीटों पर 883 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। कुल मतदाताओं की संख्या करोड़ों में है, जो लोकतंत्र में लोगों की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अधिक मतदान आमतौर पर बदलाव या मजबूत जन समर्थन का संकेत होता है। अब सभी की नजरें मतगणना पर टिकी हैं, जो 4 मई को होगी और यह तय करेगी कि क्या सत्तारूढ़ दल अपनी सत्ता बरकरार रख पाएंगे या विपक्ष को मौका मिलेगा।

विधानसभा की चार सीट पर हुए उपचुनाव में 68 से 82 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक, त्रिपुरा और नगालैंड की चार विधानसभा सीट पर बृहस्पतिवार को हुए उपचुनाव में मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा और 68 से 82 प्रतिशत के बीच मतदान दर्ज किया गया।

कर्नाटक के बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण, उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनगर और नगालैंड में मोकोकचुंग जिले के कोरिडांग विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव हुए।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, देर शाम 08:30 बजे तक नगालैंड की कोरिडांग में 82.21 प्रतिशत, त्रिपुरा की धर्मनगर में 80.04 प्रतिशत और कर्नाटक की बागलकोट में 68.74 प्रतिशत तथा दावणगेरे दक्षिण में 68.43 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

बंबई उच्च अदालत ने बुधवार को गोवा के पोंडा विधानसभा उपचुनाव के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना को अमान्य घोषित कर दिया था। गुजरात और महाराष्ट्र की तीन विधानसभा सीट पर उपचुनाव 23 अप्रैल को होंगे।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस को दोनों सीट को बरकरार रखने के लिए भाजपा की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस विधायकों एच वाई मेती (बागलकोट) और शमनूर शिवशंकरप्पा (दावणगेरे दक्षिण) के निधन के कारण उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था।

A JAIN INSTITUTION

ADARSH GROUP OF INSTITUTIONS

5th Main, Chamarajpet, Bengaluru - 18 | www.agieducation.org

Congratulations to II PU Toppers 2026

Management, Principal and Staff

KOMAL M
Commerce - 98.66%

SHANKAR M
Science

ADMISSIONS OPEN 2026

SCHOLARSHIPS
SCAN FOR

+91 74067 40011/22

Visit our website
www.agieducation.org
for more information

PUC COMMERCE
MSBA | SEBA | CsSBA | HEBA | CsEBA

DEGREE COURSES
BBA (Bachelor of Business Administration) | BCA (Bachelor of Computer Applications, Generative AI) | BCOM (Bachelor of Commerce) | BA (Mass Media Journalism & Communication) | BSC (Electronics Computer Science Statistics)

+91 74067 40011/22

A GRADE REACCREDITED IN 3RD CYCLE
NAAC NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

PUC SCIENCE
PCMB | PCMCs | PCME
With CET / NEET / JEE

PG COURSES
MBA DUAL Specialization | MCOM

EVENING COLLEGE
PUC | BCOM | BA

बसवनगुड़ी में विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर हुआ सामूहिक नवकार जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में जीतो द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर नवकार मंत्र जाप का आयोजन किया गया।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने कहा कि ऐसे आयोजन पूरे समाज को एक साथ जोड़कर किए जाने चाहिए जिससे सामूहिक पुण्यबंध होता है। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि आज कि विषम परिस्थितियों में विश्व शांति की कामना करते हुए यह महामंत्र बहुत ही प्रासंगिक है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि इस जाप में ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। ललित डाकलिया ने कहा कि यह महामंत्र कोई धर्म विशेष का नहीं है। इसमें इस जगत के समस्त अरिहंतों, सिद्धों, आचार्यों, उपाध्यायों और जग के समस्त साधुओं को महामंत्र मे नमस्कार किया गया है। यह अड़सठ अक्षर का महामंत्र नवकार जिसके जपने से हर सपना साकार हो जाता है। नवकार महामंत्र की महिमा अपरंपार है।

संसार रूपी भवसागर को पार करने की कार है नवकार मंत्र : साध्वीश्री संयमलता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में विश्व नवकार दिवस पर गोकुल गौशाला में नमस्कार महामंत्र का सामूहिक अनुष्ठान किया गया। साध्वीश्री ने कहा कि नमस्कार महामंत्र सब मंत्रों में महामंत्र है। नवकार मंत्र संसार रूपी भवसागर को पार करने की कार है। इस मंत्र में किसी व्यक्ति विशेष की स्तुति ना होकर संपूर्ण विशुद्ध गुण संपन्न आत्माओं को वंदन किया गया। विश्व नवकार महामंत्र दिवस देश-विदेश में एक समय, एक साथ बैठकर किया जा रहा है, युद्ध के दौर में यह अनुष्ठान विश्व शांति प्रदान करने वाला बने, ऐसी कामना। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा विश्व का हर धर्म नवकार मंत्र की महत्ता को जानता है। जैनों के इस महामंत्र को हम अपने जीवन में आत्मसात करें। साध्वी वृंद ने महामंत्र नवकार गीत का संगान किया। अनुष्ठान में बन्नरघट्टा, जिगनी बनशंकरी, विजयनगर आदि क्षेत्रों से श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति थी।

'जीतो' हुब्बल्ली द्वारा विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर हुआ मंत्रजाप का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन(जीतो) हुबली चैप्टर द्वारा गुरुवार को आचार्यश्री विमलसागर सूरीश्वरजी के सान्निध्य में श्रीनिवास गार्डन्स सभागार में विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिनमें विभिन्न समाज, संगठन, संस्थाएं और सभी वर्गों के लोग शामिल थे। यह आयोजन एकता और सद्भावना का प्रतीक बना।

कार्यक्रम में देश के गृहमंत्री अमित शाह के भाषण का वर्चुअल प्रसारण किया गया। इस अवसर पर जीतो हुब्बल्ली के चेयरमैन अनिल कुमार जैन ने सभा का स्वागत किया। गर्ल्स हॉस्टल एज्यूकेशन सेंटर के चेयरमैन भंवरलाल पीजी ने कार्यक्रम में विभिन्न लाभार्थियों का सम्मान किया। कार्यक्रम के तीनों संयोजक शरद मोमय्या, संगीता संघवी एवं भारत गुलेचा ने नवकार मंत्र की महिमा के बारे में बताया। कार्यक्रम में हुब्बली पुलिस विभाग के अधिकारी एवं सेना के प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी थी।

गणगौण उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ महिला मंडल हनुमंतनगर की सदस्याओं ने गुरुवार को तेरापंथ भवन में गणगौर उत्सव मनाया। निवर्तमान अध्यक्षा सरोज दुगड़ ने नवकार मंत्र के उच्चारण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उत्सव में मंडल सदस्याओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। अध्यक्षा संगीता तातेड़ ने सभी का स्वागत किया तथा पपीता जैन ने धन्यवाद दिया।

विकसित भारत के निर्माण में युवा विधायकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : बसवराज होरट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज एस. होर्राट्टी ने भविष्य के भारत के निर्माण में युवा नेतृत्व की अनिवार्यता पर जोर दिया है। गोवा की राजधानी पणजी में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपी) इंडिया जोन के 'पश्चिमी क्षेत्र सम्मेलन' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाने का सपना युवा प्रतिनिधियों के सक्रिय सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता।

अध्यक्ष होर्राट्टी ने सम्मेलन के पूर्ण सत्र में कहा कि युवा विधायक नए विचारों और आधुनिक तकनीक को अपनाने में अग्रणी होते हैं। वे लोकतंत्र को अधिक जीवंत और पारदर्शी बना सकते हैं। युवा जनप्रतिनिधि आम आदमी की समस्याओं से सीधे जुड़े होते हैं, जिससे नीतियों का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी ढंग से हो सकता है। शिक्षा, रोजगार और डिजिटल प्रशासन जैसे क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी समय की मांग है।

बसवराज होर्राट्टी ने जोर देकर कहा कि आज के समय में जलवायु परिवर्तन, तीव्र शहरीकरण और तकनीकी बदलाव जैसी बड़ी चुनौतियां हमारे सामने हैं। इनसे निपटने के लिए युवा विधायकों को एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि युवा सदस्यों को जिम्मेदार शासन प्रदान करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण, उचित मार्गदर्शन और अनुसंधान सहायता की आवश्यकता है। नेतृत्व विकास कार्यक्रमों के माध्यम से ही हम एक प्रगतिशील भारत का निर्माण कर सकते हैं।

सम्मेलन के दौरान उन्होंने सदन की गरिमा बनाए रखने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सार्थक बहस, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों का पालन करके ही जनहित को प्राथमिकता दी जा सकती है।

10 अप्रैल तक चलने वाला इस तीन दिवसीय सम्मेलन विधायी प्रक्रियाओं को मजबूत करने और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पूजा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा अपनी पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा के साथ गुरुवार को गुवाहाटी में असम लेजिस्लेटिव असेंबली इलेक्शन के दौरान वोट डालने से पहले कामाख्या मंदिर, महाप्रभु श्री श्री दौल गोविंदा मंदिर, और गरल में मां मनसा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राम जन्मोत्सव

बेंगलूरु के एमसी लेआउट युवा टीम द्वारा एमसी लेआउट चौराहे पर गुरुवार को राम जन्मोत्सव हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने छाछ पान का वितरण कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मुणोत ने कहा कि जिन घरों में बड़ों का सम्मान होता है, माता-पिता की सेवा होती है, बच्चों में अच्छे संस्कार होते हैं, परिवार जन में एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं अपनापन की भावना होती है, सेवा के कार्य होते हैं, उन घरों में राम बसते हैं। युवा टीम के अध्यक्ष ईश्वर एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

कोमल एम. शंकर एम. मेहर खान
पूजा एम. विधान जैन वेदिका

'आदर्श' पीयू द्वितीय वर्ष की परीक्षा का परिणाम उत्तम रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचन्द नाहर आदर्श पीयू कॉलेज के पीयू द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम उत्तम रहा। कॉलेज के 18 विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत अंक, 42 विद्यार्थियों ने वरीयता(डिस्टिंक्शन) प्राप्त की है। 89 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की है। कामर्स वर्ग में कोमल एम. ने 98.66 प्रतिशत तथा प्रदेश में नौंवा स्थान व विज्ञान वर्ग में शंकर एम. ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा कामर्स में मेहर खान ने 97.8 प्रतिशत अंक, पूजा एम. पुरोहित ने 97.1 अंक व विधान जैन ने 96.8 अंक तथा विज्ञान वर्ग की वेदिका ने 96.6 अंक प्राप्त किए हैं। आदर्श कॉलेज के प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

आर्टेमिस-2 अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा की सतह के गड्ढों को प्रियजनों के नाम देने का प्रस्ताव रखा

ह्यूस्टन/एपी। चंद्रमा से पृथ्वी की ओर लौट रहे आर्टेमिस-2 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने अपोलो मिशनों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए चंद्रमा की सतह के दो गड्ढों के नाम अपने प्रियजनों के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। कमांडर रीड वाइजमैन और उनके दल ने एक छोटे, अपेक्षाकृत नए गड्ढे का नाम अपने कैप्सूल 'इंटीग्रिटी' के नाम पर तथा दूसरे का नाम उनकी दिवंगत पत्नी कैरोल के नाम पर रखने की अनुमति मांगी। यह अनुरोध कनाडाई अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन ने सोमवार को चंद्रमा की परिक्रमा से ठीक पहले किया। वाइजमैन भावुक होने के कारण उस समय कुछ नहीं बोल सके।

पेशे से नर्स कैरोल वाइजमैन का 2020 में कैंसर से निधन हो गया था। वाइजमैन ने बुधवार रात अंतरिक्ष से कहा, व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए यह मिशन का सबसे भावुक और महत्वपूर्ण क्षण था। साल1968 में अपोलो-8 मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री जिम लॉवेल ने अपनी पत्नी के नाम पर चंद्रमा की एक प्रमुख चोटी का नाम 'माउंट मैरिलिन' रखा था। यह मानव की पहली चंद्रमा यात्रा थी। आर्टेमिस-2 मिशन के तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री 1972 में अपोलो-17 के बाद चंद्रमा तक पहुंचने वाले पहले यात्री हैं।

वाइजमैन के प्रस्ताव ने मिशन कंट्रोल में मौजूद वैज्ञानिकों को कुछ समय के लिए निशब्द कर दिया। नासा के चंद्र वैज्ञानिक रयान वॉटकिन्स ने कहा, यह बेहद भावुक क्षण था। वहां सबकी आंखें नम हो गईं। मिशन कंट्रोल की प्रमुख वैज्ञानिक केल्सी यंग ने प्रक्षेपण से पहले अंतरिक्ष यात्रियों के साथ मिलकर इन अपेक्षाकृत नए और चमकीले गड्ढों का चयन किया था, जिन्हें अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा के करीब पहुंचने पर देखा।

वाइजमैन ने बताया कि उनके साथियों ने यह विचार प्रक्षेपण से कुछ दिन पहले रखा था, लेकिन उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह भावुकता के कारण इस पर बोल नहीं पाएंगे। प्रस्तावित 'कैरोल क्रेटर' चंद्रमा के निकट और दूरस्थ हिस्सों की सीमा पर स्थित है और कभी-कभी पृथ्वी से दिखाई देता है, जबकि 'इंटीग्रिटी क्रेटर' पूरी तरह चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से में स्थित है। यह प्रस्ताव उस समय आया जब अंतरिक्ष यात्रियों ने गहरे अंतरिक्ष में यात्रा की दूरी के मामले में अपोलो-13 का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

'जीतो' मैसूरु चैप्टर ने आयोजित किया नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप

मैसूरु/दक्षिण भारत । जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन(जीतो) मैसूरु चैप्टर द्वारा गुरुवार को साध्वीश्री पावननिधिजी के सान्निध्य में शहर के टाउन हॉल परिसर में विश्व नवकार महामंत्र दिवस कर आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में जीतो मैसूरु, लेडीज़ विंग और यूथ विंग के सदस्यों ने दीप प्रज्वलन कर की। मैसूरु सहित आसपास के 28 केंद्रों में नवकार मंत्र का जाप किया।

कार्यक्रम में देश के गृहमंत्री अमित शाह के भाषण का वर्चुअल प्रसारण किया गया। जीतो मैसूरु के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल ने सभी का स्वागत किया। साध्वी पावन निधिजी ने मंगल पाठ के साथ उपस्थित सभी को आशीर्वाद दिया। भिवंडी से आए संगीतकार हनी जैन ने मधुर धुनों में नवकार मंत्र का जाप करवाया।

इस कार्यक्रम में मुख्य सचिव गौतम सालेचा सहित अन्य संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

फिल्म प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मारवाड़ जंक्शन जैन प्रवासी संघ के सदस्यों ने आपसी नेटवर्किंग व परिचय के लिए एक फिल्म 'धुरंधर' का प्रदर्शन किया गया।

ज्ञानशाला के 50 ज्ञानार्थियों ने साध्वीश्री के दर्शन किए

बेंगलूरु/मैसूरु। तेरापंथ सभा गाँधीनगर के तत्वावधान में बेंगलूरु के विभिन्न ज्ञानशालाओं में अभ्यासरत 50 ज्ञानार्थियों ने मैसूर में विराजित साध्वीश्री पावनप्रभाजी के दर्शन किए व आशीर्वाद लिया। साध्वीश्री के समक्ष ज्ञानशालाओं के विद्यार्थियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। साध्वीश्री ने बच्चों से बातचीत करते हुए उनके भविष्य के बारे में बात की। साध्वीश्री ने कहा कि इंजीनियर, डॉक्टर, गायक बनने से पहले एक अच्छा इंसान बनें जिसके लिए आपको क्रोध, नशा आदि को छोड़ना होगा। साध्वीश्री उन्नति प्रभाजी ने महाप्राणध्वनि के फायदे बताते हुए महाप्राणध्वनि का प्रयोग कराया। क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं ज्ञानशाला की गतिविधियों के बारें मे अवगत कराया। इस अवसर पर तेरापन्थ सभा के सुरेश कोठारी ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

सेल्फी

महिला पीएचडी स्कॉलर्स ने गुरुवार को पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी में 41वें एनुअल कॉन्वोकेशन के दौरान अपनी डिग्री लेने के बाद सेल्फी ली।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने समन्वित कार्रवाई की दिशा में प्रगति को दर्शाया : थलसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर' ने समन्वित कार्रवाई की दिशा में भारत की प्रगति को प्रदर्शित किया। उन्होंने पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर अंजाम दिए गए सैन्य अभियान को परिचालन के लिहाज से अध्ययन का विषय बताया। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए सैन्य कार्रवाई शुरू की थी।

जनरल द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न क्षेत्रों में समन्वित कार्रवाई की दिशा में भारत की प्रगति का सबसे शक्तिशाली साधन था। लेकिन हमें विभिन्न क्षेत्रों का एकीकरण और तालमेल का लक्ष्य प्राप्त करना होगा। वह यहां रण संवाद मंच को संबोधित कर रहे थे, जिसका विषय था ''थल सेना द्वारा बहु-क्षेत्रीय अभियान (एमडीओ) का विजुअलाइजेशन''। सेना प्रमुख ने ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद गठित युद्ध सूचना संगठन और मनोवैज्ञानिक रक्षा प्रभाग के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, ''हमारे प्रयासों का 15 प्रतिशत हिस्सा दुष्प्रचार अभियान से निपटने पर केंद्रित था।'' हालांकि, उन्होंने चेताया कि प्रमुख चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, विशेष रूप से रणनीतिक, परिचालन और सामरिक स्तरों पर संचालन में समन्वय स्थापित करने और 'हाइब्रिड या ग्रे-ज़ोन' युद्ध के बढ़ते प्रचलन से निपटने में। उन्होंने कहा, ''ये आमतौर पर पारंपरिक सैन्य सीमा से नीचे होते हैं, जिनका उद्देश्य दुश्मन की कमजोरियों का फायदा उठाना होता है।'' थलसेना प्रमुख ने कहा कि एमडीओ की उनकी कल्पना ऐसी नहीं है जिसमें सेना के छह अलग अलग क्षेत्र अलग-अलग समानांतर काम करें, बल्कि सभी बदलते हालात के हिसाब से लगातार आपसी तालमेल में हों, जहां परिस्थिति के अनुसार महत्व बदलता रहे और नेतृत्व भी बदलता रहे।''

उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध अब केवल भौगोलिक सीमाओं या किसी एक सेना की प्रधानता तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह विभिन्न क्षेत्र, हितधारकों और संघर्ष के अलग-अलग स्तर के बीच लगातार होने वाले आपसी समन्वय से परिभाषित होता है। युद्धक्षेत्र में हो रहे बदलावों पर जनरल द्विवेदी ने कहा कि एमडीओ के कारण युद्ध का स्वरूप ऐसा हो गया है, जहां अलग-अलग स्तर और दिशाओं में एक साथ ऑपरेशन चलते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कमांडरों को सामरिक से लेकर रणनीतिक स्तर तक, विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी विकसित करनी चाहिए। एकीकरण के परिचालन महत्व को रेखांकित करते हुए, जनरल द्विवेदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अध्ययन का महत्वपूर्ण विषय बताया।

जनरल द्विवेदी ने कहा, ''यह जमीनी खुफिया नेटवर्क, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) से मिली जानकारियों का मेल था जिसने थल सेना और वायु सेना की संयुक्त कार्रवाई को लक्ष्य निर्धारित करने में मदद की, वहीं नौसेना की तैनाती में बदलाव ने रणनीतिक आकलन को आकार दिया। किसी एक क्षेत्र ने इस अभियान का फैसला नहीं किया।'' जनरल द्विवेदी ने एकीकृत युद्ध समूहों, रुद्र ब्रिगेड, ड्रोन इकाइयों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध संरचनाओं और साइबर ऑपरेशन नोड्स के संचालन सहित कई संरचनात्मक सुधारों का भी जिक्र किया।

देश को बाहरी खतरों को लेकर बहु क्षेत्रीय संचालन की ओर बढ़ने की आवश्यकता : एयर मार्शल दीक्षित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । एकीकृत रक्षा स्टाफ प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को बहु-क्षेत्रीय संचालन (एमडीओ) अपनाने की ओर बढ़ने की जरूरत है, क्योंकि देश को बाहरी खतरों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तैयारी शुरू से ही बहु-क्षेत्रीय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बहु-क्षेत्रीय संचालन भविष्य का विकल्प नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है। वह ''रण संवाद 2026'' के दूसरे संस्करण में मुख्य भाषण दे रहे थे, जिसका विषय था बहु-क्षेत्रीय संचालन : पारंपरिक और अनियमित खतरों से निपटना।''

दीक्षित ने कहा कि भारत का वातावरण इस परिवर्तन को अत्यावश्यक बनाता है। उन्होंने कहा कि देश की उत्तरी सीमाओं पर टोही ड्रोन, उपग्रह निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों की तैनाती है। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में, समुद्री संचार मार्ग अंतरिक्ष-आधारित निगरानी, पनडुब्बी प्रतिस्पर्धा और विमानवाहक पोत-आधारित शक्ति प्रदर्शन से जुड़े हुए हैं। उनके अनुसार, पश्चिमी सीमाओं पर दिन-प्रतिदिन नये-नये खतरे उभर रहे हैं। दुष्प्रचार अभियान, विद्युत ग्रिड को निशाना बनाकर साइबर घुसपैठ, संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमले जैसे मिश्रित खतरे जानबूझकर शांति और संघर्ष के बीच के भेद को मिटा रहे हैं। दीक्षित ने कहा कि इन खतरों का निपटारा क्रमबद्ध तरीके से नहीं किया जा सकता, बल्कि एक साथ, विभिन्न क्षेत्रों में समन्वित तरीके से ऐसा किया जाना चाहिए। पश्चिम एशिया संघर्ष पर उन्होंने कहा कि यह इस बात की स्पष्ट याद दिलाता है कि समुद्री मार्गों में व्यवधान, ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट और क्षेत्रीय अस्थिरता भारत के हितों को प्रभावित कर सकती है। भले ही कोई एक शत्रु हमें सीधे तौर पर निशाना न बना रहा हो।

बेंगलूरु-मैसूरु रेल खंड पर केन्द्रीय मंत्रियों ने किया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे में भारी उद्योग और इस्पात के केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और रेल तथा जल शक्ति के राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने गुरुवार को केएसआर बेंगलूरु-मंड्या-मैसूरु रेलवे खंडों का 'विंडो ट्रेलिंग' निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बेंगलूरु-मैसूरु खंड पर चल रहे बुनियादी ढांचा कार्यों की प्रगति और कई प्रमुख परिचालन तथा सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की।

इस निरीक्षण के दौरान मैसूरु-कोडागु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार, पूर्व मंत्री सी. एस. पुट्टाराजू, मद्दूर के पूर्व विधायक डी. सी. थम्मन्ना, के. आर. नगर के पूर्व विधायक सरमहेश, बेंगलूरु के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह, मैसूरु के मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल और दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।निरीक्षण के दौरान, वी. सोमन्ना ने सेट्टीहल्ली, मद्दूर, हनकेरे, मांड्या, येलियूर, ब्यादराहल्ली, पांडवपुरा और श्रीरंगपट्टनम रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने सेट्टीहल्ली में रेलवे कर्मचारियों के साथ रेल परिचालन और उनके कल्याण के संबंध में बातचीत की; मार्ग पर रहने वाले स्थानीय निवासियों की जन शिकायतों को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, वी. सोमन्ना ने मैसूरु स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मीडिया को संबोधित किया। इस अवसर पर एच. डी. कुमारस्वामी, यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार, मैसूरु के डीआरएम मुदित मित्तल, बेंगलूरु के डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एसएमवीटी बेंगलूरु-बालुरघाट-बेंगलूरु छावनी के बीच विशेष ट्रेन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्रियों की सुविधा के लिए और गर्मी के मौसम के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु और बालुरघाट (पश्चिम बंगाल) के बीच प्रत्येक दिशा में तीन यात्राओं के लिए बेंगलूरु छावनी के लिए वापसी सेवा के साथ विशेष ट्रेन सेवाएं संचालित की जाएंगी। ट्रेन नंबर 06561 एसएमवीटी बेंगलूरु-बालुरघाट एक्सप्रेस स्पेशल रविवार 12, 19 और 26 अप्रैल को सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु से 08:50 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 06:00 बजे बालुरघाट पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 06562 बालुरघाट - बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस स्पेशल बुधवार 15, 22 और 29 अप्रैल को को 05:15 बजे बालुरघाट से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 03:00 बजे बेंगलूरु छावनी पहुंचेगी।

राजधानी एक्सप्रेस अब 1 नम्बर प्लेटफार्म से होगी रवाना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने परिचालन संबंधी कारणों का हवाला देते हुए केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन से चलने वाली दो प्रमुख ट्रेन राजधानी और कर्नाटक एक्सप्रेस के प्रस्थान प्लेटफॉर्म में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। यह नया नियम 10 अप्रैल से प्रभावी होगा।

परिचालन कारणों को देखते हुए, ट्रेन संख्या 22691 केएसआर बेंगलूरु - हज़रत निज़ामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस 10 अप्रैल से अब प्लेटफार्म नं. 8 की जगह प्लेटफार्म नम्बर 1 से प्रस्थान करेगी। वहीं ट्रेन नं. 12627 केएसआर बेंगलूरु-नई दिल्ली कर्नाटक एक्सप्रेस प्लेटफार्म नं. 1 की बजाय 2 से प्रस्थान करेगी।

द्रमुक के भ्रष्टाचार और परिवारवाद को खत्म करने के लिए एनडीए को चुनें : एएनएस प्रसाद

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि अन्नाद्रमुक-बीजेपी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन एनडीए 200 से अधिक सीटें जीतकर राज्य में अगली सरकार बनाएगा।

प्रसाद ने आरोप लगाया कि द्रमुक शासन में सत्ता एक ही परिवार तक सीमित हो गई है। उन्होंने एम.के. स्टालिन के दामाद सबरीसन के बढ़ते प्रभाव पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सांसद और अब राज्यसभा तक एक ही परिवार का कब्जा होने जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि तमिलनाडु में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी को घर बनाने से लेकर जाति प्रमाण पत्र तक के लिए रिश्वत देनी पड़ रही है।

परिणाम

बेंगलूरु में गुरुवार को आरवी पूयी साइंस कॉलेज जयनगर के स्टूडेंट्स एक बार फिर साइंस स्ट्रीम में टॉप परफॉर्मर बनकर उभरे हैं।

पी. अनंत ने दपरे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। पी. अनंत ने 09 अप्रैल को दक्षिण पश्चिम रेलवे के नए महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ़ मैकेनिकल इंजीनियर्स के 1989 बैच के अधिकारी, अनंत के पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री है और वे भारतीय रेलवे में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध और विविध अनुभव अपने साथ लाए हैं। उन्होंने दक्षिण पूर्व रेलवे में व्यापक रूप से सेवा की है और कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिसमें 2002 से 2008 तक रेलवे बोर्ड में निदेशक (मानव संसाधन नियोजन) का पद भी शामिल है। उन्होंने 2012 से 2017 तक बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू) में मुख्य यांत्रिक अभियंता के रूप में भी कार्य किया,

जहाँ उन्होंने उत्पादन और आधुनिकीकरण गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व, पी. अनंत 13 अक्टूबर 2025 से दक्षिण पश्चिम रेलवे में अपर महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने मुकुल सरन माथुर के सेवानिवृत्त होने के उपरांत उनका स्थान ग्रहण किया है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094196, 4184, 4541,4542

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमसी/एमएआईएनटी/सी/ईटीएन-03 2026-27 दिनांक 09.04.2026
कार्य का नाम	आईडीएसएन, ब्याललू, इसट्रैक, बेंगलूरु में एएॅफ़ऍफ़एॅफ़-परीक्षण स्थल के दक्षिणी ओर फिमट्टी के तटफबंधों को सुदृढ़ करना (सिविल कार्य)
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 24.65 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	पैंतालीस (45) दिन
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	10.04.2026 को 14.30 बजे से 23.04.2026 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	10.04.2026 को 15.30 बजे से 24.04.2026 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	27.04.2026 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	28.04.2026 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	29.04.2026 को 11.30 बजे से
ईएमडी	रु. 49,300/-

पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/ISRO पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।
ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण में हुआ मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की दोनों विधानसभा सीटों पर बृहस्पतिवार को हुए उपचुनावों में शाम पांच बजे तक 60 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। बागलकोट में 65.68 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि दावणगेरे दक्षिण में 63.04 प्रतिशत मतदान हुआ। कांग्रेस के सामने जहां दोनों सीट को बरकरार रखने की चुनौती है वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का इरादा इन सीट को सत्तारूढ़ पार्टी से छीनकर उसे झटका देना है।

वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एच वाई मेती (बागलकोट) और शमनूर शिवशंकरप्पा (दावणगेरे दक्षिण) के निधन के कारण चुनाव कराना आवश्यक हो गया था। बागलकोट सीट पर नौ उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा ने पूर्व विधायक और 2023 में पराजित उम्मीदवार वीरभद्रय्या चरंतिमठ को बागलकोट से और एक नया चेहरा श्रीनिवास टी दासकरियप्पा को दावणगेरे दक्षिण से मैदान में उतारा है। बागलकोट में 319 मतदान केंद्रों पर 2.59 लाख से अधिक मतदाता वोट डालने के लिए पात्र हैं। इस सीट पर नौ उम्मीदवार मैदान में हैं। दावणगेरे दक्षिण में 284 मतदान केंद्रों पर 25 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं और 2.31 लाख से अधिक मतदाता मतदान के लिए पात्र हैं। कांग्रेस ने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में दिवंगत विधायकों के परिवार के सदस्यों को टिकट दिया है। बागलकोट से कांग्रेस उम्मीदवार उमेश मेती, एच वाई मेती के पुत्र हैं, जबकि दावणगेरे दक्षिण से उम्मीदवार समर्थ मल्लिकार्जुन, शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते हैं। मतगणना चार मई को होगी। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक) प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058 फोन : 080-28094178, 4185, 4541, 4144 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, इसरो पीण्या, बेंगलूरु-58 द्वारा समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है। (फोन : 080-28094541,4185, 4144)

कार्य का नाम :	आरडीए बिल्डिंग, एससीसी परिसर, इसट्रैक, बेंगलूरु में एलटी पैनल, केबल अर्थिंग और अन्य विद्युतीय काम उपलब्ध कराना	आईएलएॅफ़, इसट्रैक, लखनऊ में एलके-1 और एलके-2 एंटीना टर्मिनल का इलेक्ट्रिकल नवीनीकरण	आईडीएसएन परिसर, इसट्रैक, ब्याललू, बेंगलूरु में अर्थिंग सिस्टम और लाइटनिंग प्रोटेक्शन सिस्टम का नवीनीकरण
एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-04/2026-27 दिनांक 09.04.2026	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-05/2026-27 दिनांक 09.04.2026	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-06/2026-27 दिनांक 09.04.2026
निविदा का अनुमानित मूल्य :	रु. 21.48 लाख	रु. 7.17 लाख	रु. 23.60 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण :	ई-निविदा	ई-निविदा	ई-निविदा
कार्यादिश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	तीन (03) महीने	चार (04) महीने	तीन (03) महीने
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	10.04.2026 को 16.00 बजे से 25.04.2026 को 16.00 बजे तक	10.04.2026 को 16.00 बजे से 20.04.2026 को 16.00 बजे तक	10.04.2026 को 16.00 बजे से 25.04.2026 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण :	11.04.2026 को 11.00 बजे से 26.04.2026 को 16.00 बजे तक	10.04.2026 को 16.00 बजे से 20.04.2026 को 16.00 बजे तक	10.04.2026 को 16.00 बजे से 25.04.2026 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख :	27.04.2026 को 16.00 बजे तक	22.04.2026 को 16.00 बजे तक	27.04.2026 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	28.04.2026 को 16.00 बजे तक	23.04.2026 को 16.00 बजे तक	28.04.2026 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	30.04.2026 को 11.00 बजे से	24.04.2026 को 11.00 बजे से	30.04.2026 को 11.00 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 42,960/-	रु. 14,340/-	रु. 47,200/-

पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/ISRO पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।
समूह प्रमुख-सीएमजी, इस्ट्रैक

आत्मशुद्धि, आस्था एवं साधना का प्रतीक है नवकार महामंत्र : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बृहस्पतिवार को कहा कि नवकार महामंत्र किसी एक व्यक्ति विशेष की स्तुति नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति में रची-बसी आत्मशुद्धि, आस्था एवं साधना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह मानव को भीतर से सशक्त बनाकर उसे उच्चतर जीवन मूल्यों की ओर अग्रसर करता है। राज्यपाल बागड़े भीलवाड़ा में विश्व नवकार महामंत्र दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र विश्व के प्राचीनतम एवं पावन मंत्रों में से एक है जो अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांतवाद जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। यह मंत्र न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि समाज में शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, बागड़े ने जैन धर्म की महान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि तीर्थंकरों ने क्रोध, मोह एवं द्वेष जैसे आंतरिक शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर आत्मज्ञान एवं मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में इन विकारों का त्याग कर आत्मोन्नति की दिशा में अग्रसर हो। राज्य के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्ष एवं युद्ध मानवता के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। उनके अनुसार, ऐसे परिदृश्य में भगवान महावीर द्वारा दिया गया जियो और जीने दो का संदेश अत्यंत प्रासंगिक है।

राज्यपाल जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा मेडिसिटी ग्राउण्ड, भीलवाड़ा में आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र विश्व के प्राचीनतम एवं पावन मंत्रों में से एक है, जो अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांतवाद जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। यह मंत्र न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि समाज में शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा का भी संदेश देता है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। राज्यपाल ने जैन धर्म की महान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि तीर्थंकरों ने क्रोध, मोह एवं द्वेष जैसे आंतरिक शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर आत्मज्ञान एवं मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में इन विकारों का त्याग कर आत्मोन्नति की दिशा में अग्रसर हो।

नई पीढ़ी को सनातन धर्म के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया जाये : वासुदेन देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि आज सारा विश्व हिंसा की अग्नि में जल रहा है, ऐसी परिस्थिति में आशा की एक किरण के रूप में आज भारत की सनातन संस्कृति और जैन धर्म के अहिंसा सहित अन्य सिद्धान्त बहुत अधिक प्रासंगिक हो गए है। इन सिद्धांतों को आचरण में उतारना बहुत आवश्यक है। देवनानी गुरुवार को जयपुर के अणुविभा केन्द्र में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस के भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहें थे। इस मौके पर नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप के साथ ही विश्व में शांति, सद्भाव एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का सन्देश दिया गया। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि आज रूस, यूक्रेन, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव एवं वैश्विक शक्तियों के टकराव ने चारों ओर वातावरण और सम्पूर्ण मानवता को संकट एवं असुरक्षा की स्थिति में ला दिया हैं। ऐसे समय में भारत की सनातन संस्कृति विश्व को शांति और बन्धुत्व का मार्ग सीखा सकती है। देवनानी ने कहा कि भारत ने कभी विश्व की महाशक्ति बनना नहीं चाहा। हम विश्व के मार्गदर्शक रहे हैं और आगे भी दुनिया को शांति, सद्भाव, अहिंसा और मानव कल्याण का मार्ग दिखाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व के वर्तमान हालातों में भारत को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की निर्गुट नीति पर चल रहे हैं। यह विश्व शांति और सद्भाव के लिए भारत की प्रतिबद्धता का ही द्योतक है कि हमारे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह विश्व नमोकार मंत्र दिवस पर देश की राजधानी से हम सभी से जुड़े हैं।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि नवकार महामन्त्र का जप मानव जाति के कल्याण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस महामन्त्र का जप केवल शब्दों का उच्चारण नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी सारगर्भित है। यह आत्मा की गहराई से उठने वाली एक दिव्य पुकार और सकारात्मक ऊर्जा है। यह मंत्र किसी एक धर्म, जाति या वर्ग तक सीमित नहीं है बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का मंत्र है।

देवनानी ने कहा कि जैन मुनि अपने मुंह पर पट्टी लगा कर किसी अंधविश्वास का नहीं बल्कि कीड़े जैसे छोटे से छोटे जीव के प्रति भी सहृष्णता का भाव और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का एक बड़ा सन्देश देते हैं । यही सिद्धांत आज आधुनिक विज्ञान की इकोलॉजी और बायोडायवर्सिटी से मेल खाता है। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं अपरिग्रह के सिद्धांत की पालना करता हूँ।

देवनानी ने इस अवसर पर सभी जैन पंथों के प्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्र संत आचार्य सुन्दर सागर जी महाराज सहसंघ, आचार्य शशांक सागर जी महाराज सहसंघ, अणुव्रत आचार्य महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि सुधाकर कुमार जी,नरेश कुमार जी,ध्यानकीर्तिविजयजी महाराज और साध्वी मणिप्रभाजी आदि साध्वी वृंद के साथ ही जयपुर ग्रेटर नगर निगम के निवर्तमान उप महापौर पुनीत कर्णावत, जीतो जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन श्रीमती सलोनी जैन, महामंत्री हितेश भांडिया, कार्यक्रम संयोजक देवांग शाह और पुष्पेश कांकरिया, सुनील कोठारी, नितिन जैन, विमल सिंघवी आदि उपस्थित थे।

सलूंबर जिले में बच्चों की मौत रहस्यमयी बीमारी से होने का संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सलूंबर जिले में पांच बच्चों की हाल ही में हुई मौत का कारण एक रहस्यमयी बीमारी होने का संदेह है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि इसके अलावा पिछले दो दिन में तीन और बच्चों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई है। बच्चों की मौत की ये घटनाएं झल्लारा और लसाड़िया इलाकों से सामने आई हैं जहां पिछले आठ दिनों में आठ बच्चों की मौत हो चुकी है। इस बीच स्वास्थ्य विभाग ने इलाके में सतर्कता बढ़ाते हुए व्यापक जांच का अभियान चलाया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, साढ़े चार साल और दो महीने की उम्र के दो बच्चों को उल्टी और दस्त के लक्षण के बाद मंगलवार को सलूंबर अस्पताल में लाया गया तो उनकी मौत हो चुकी थी। इन्हीं लक्षण वाले लगभग दो साल उम्र के बच्चे की मौत भी बुधवार को हुई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महेंद्र कुमार परमार ने बताया कि रौनक (4.5 साल) झल्लारा के अमलोदा गांव का था। इसे जब अस्पताल लाया गया तो उसकी मौत हो चुकी थी। परमार ने कहा, पांच बच्चों की पहले हुई मौत रहस्यमयी हैं। हमें अभी तक नमूनों की रिपोर्ट नहीं मिली है। बाकी तीन मौतों के कारण अलग हैं। एक अन्य मामले में लसाड़िया के कालीभीत गांव के दो महीने के शिशु बंशी को भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मृत अवस्था में लाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि मंडली गांव के दिव्यांश पटेल (2) की बुधवार को बुखार, उल्टी और दस्त से पीड़ित होने के बाद मौत हो गई।

इस बीच राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीमें तैनात की हैं। जयपुर और उदयपुर से मेडिकल टीमें प्रभावित गांवों में तैनात की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार लसाडिया के प्रभावित क्षेत्र में घर-घर सर्वे एवं नियंत्रण गतिविधियां चलाई गई हैं। प्रभावित क्षेत्र में 12 टीमों द्वारा 379 घरों का सर्वे किया गया जिसमें एक लक्षणयुक्त रोगी पाया गया जिसका मौके पर ही उपचार किया गया। उल्लेखनीय है कि एक से छह अप्रैल के बीच लसाड़िया के लालपुरा और घाटा गांव में दो सगे भाईबहन सहित पांच बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों को संदेह है कि इन मौतों का संबंध इसी रहस्यमयी बीमारी से है। अधिकारियों ने बताया कि मौत के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ व्यक्तित्व एवं कौशल विकास पर करें फोकस : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि विश्वविद्यालय प्रतिभाशाली व्यक्तित्व तैयार करने के केंद्र बिंदु है, यहां विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ उनके समग्र विकास पर फोकस होना चाहिए, जिससे वे उच्च कौशल के साथ गुणवान व चरित्रवान बनकर देश के विकास में अपनी महती भूमिका निभा सके। राज्यपाल बागड़े गुरुवार को प्रताप ऑडिटोरियम में राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर के षष्ठम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में डिग्री एवं उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह पावन पर्व है। यह वह समय है जब विद्यार्थी अपनी शिक्षा पूरी कर उसे व्यवहार में लाने योग्य बनता हैं। उन्होंने कहा कि आपने जो शिक्षा यहां प्राप्त की है, उसका उपयोग समाज के सर्वांगीण विकास के लिए करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं।

बागड़े ने कहा कि देश में आजादी के बाद 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' इसी उद्देश्य से तैयार हुई है, जिससे हमारा देश आत्मनिर्भर बन सके। नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को रोजगार प्रदाता बनाना है। यह नीति शिक्षा तक सबकी आसान पहुँच, समता, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के आधारभूत पांच स्तंभों पर निर्मित हुई है। राज्यपाल ने कहा कि राजा भर्तृहरि की तपोभूमि पर स्थित यह विश्वविद्यालय ज्ञान के उत्कृष्ट केंद्र के रूप अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है, जो जीवन व्यवहार का मार्ग प्रशस्त करे। किताबों में अब तक जो पढ़ा, उसे व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है। इसके लिए मौजूद बौद्धिक क्षमता को और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नही हैं। इसका असली उद्देश्य चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास, नैतिक मूल्यों की स्थापना और समाज सेवा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने के अवसर ही नहीं देती बल्कि विद्यार्थी को संस्कारित करती है। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे ने शिक्षा पद्धति के बदलाव पर जोर देते हुए कहा था कि स्वतंत्रता के समय ही मैकाले की शिक्षा पद्धति को बदलकर भारतीय शिक्षा पद्धति को लागू किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने हमारे उद्योग धन्धे बंद कर दिए थे।

शहर में अनियमित मीडियन ओपनिंग को जल्द करें बंद : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर शहर में यातायात प्रबंधन एवं सुधार के लिए प्रगतिरत विभिन्न जेडीए प्रोजेक्ट्स को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस काम में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारी एवं निर्माणकर्ता के विरूद्ध परफॉर्मेंस एवं लिक्विडिटी पैनल्टी की कार्यवाही करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाने की कार्ययोजना को जेडीए एवं यातायात पुलिस संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र लागू करें।

शर्मा ने जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था के रीयल टाइम मैनेजमेंट के लिए नया इंटीग्रेटेड कमाण्ड सेंटर स्थापित करने की कार्ययोजना बनाने के लिए जेडीए, परिवहन, ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम को आपसी समन्वय से काम करने के विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा की दृष्टि से इस सेंटर को मॉडल सेंटर भी बनाया जाए।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर शहर के यातायात सुधार के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने जेडीए को सीबीआई फाटक, सालिग्रामपुरा फाटक एवं सिविल लाइन फाटक आरओबी, गोपालपुरा एलिवेटेड रोड, सांगानेर एलिवेटेड रोड के काम को गति प्रदान करने एवं पूर्ण गुणवत्ता से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने जेएलएन मार्ग पर यातायात प्रबंधन का प्रभावी प्लान बनाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित अरण्य भवन-जगतपुरा एलिवेटेड रोड की डीपीआर को शीघ्र तैयार करने, अजमेर रोड पर पुरानी चुंगी अंडरपास तथा राम मंदिर-रेलवे यार्ड-रेलवे सर्किल के बीच वैकल्पिक मार्ग के लिए प्रस्तावित आरओबी की ट्रैफिक दबाव का आकलन कर पुनः फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि द्रव्यवती एलिवेटेड कॉरिडोर की डीपीआर भी शीघ्र तैयार की जाए।

शर्मा ने कहा कि महल रोड, सीकर रोड और न्यू सांगानेर रोड को सिग्नल फ्री बनाने एवं बेहतर ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए डबल यू-टर्न बनाने की कार्ययोजना पर शीघ्र काम प्रारंभ किया जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि आमजन को जाम से राहत दिलाने के लिए रामबाग चौराहे पर बनाई गई फ्री-लेफ्ट टर्न व्यवस्था को शहर के महत्वपूर्ण व्यस्ततम मार्गों एवं प्रमुख चौराहों पर भी लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री ने जेडीए को ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को संतुलित करने के लिए चिन्हित चौराहों पर लेन निर्धारण एवं गोलचक्कर निर्माण सहित आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जेडीए एवं यातायात पुलिस को शहर के प्रमुख मार्गों पर अनियमित मीडियन ओपनिंग को जल्द बंद करने तथा यू-टर्न स्थानों को चिन्हित कर कार्यशील बनाने के लिए भी निर्देशित किया।

शर्मा ने प्रमुख चौराहों और बाजारों में पैदल यात्रियों को सुरक्षित रूप से सड़क पार करने के लिए नियंत्रित क्रॉसिंग व्यवस्था को विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए स्पष्ट संकेत बोर्ड, गति नियंत्रण एवं जेबरा क्रॉसिंग की व्यवस्था की सुनिश्चितता के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि महल रोड, डिग्गी रोड और कालवाड़ रोड पर स्कीमों की सेक्टर रोड की कार्यवाही को गति प्रदान की जाए। वहीं, जेडीए, नगर निगम और यातायात पुलिस को जयपुर शहर में पार्किंग से संबंधित सभी स्थानों के सुव्यवस्थित एवं नियमानुसार संचालन के निर्देश दिए।

भू जल स्तर बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाएं : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि जल स्वावलंबन अभियान का मूल उद्देश्य समझना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने भूजल स्तर में लगातार हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके कारणों का विश्लेषण कर प्रभावी समाधान ढूंढना होगा। उन्होंने जल दोहन को नियंत्रित करने तथा अधिक से अधिक जल पुनर्भरण (वॉटर रिचार्ज) के उपाय अपनाने के कार्य करने के निर्देश दिए। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के अंतर्गत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) को बढ़ावा देने के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

दिलावर ने कहा कि जल स्तर बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर पौधारोपण, चारागाह विकास, तालाबों एवं एनीकेट (छोटे बांध) का निर्माण, विलुप्त नदियों का पुर्नजीवित तथा अन्य जल स्रोतों का सृजन आवश्यक है। साथ ही, प्राकृतिक जल मार्गों में आई बाधाओं को दूर कर जल के प्राकृतिक प्रवाह को पुनर्स्थापित करना चाहिए। मंत्री दिलावर ने इस दिशा में सुझाव आमंत्रित करते हुए अब तक किए गए प्रयासों की सराहना की और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री दिलावर ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में गौ वंश के संरक्षण को लेकर कार्य योजना बनाने पर भी चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने कार्यशाला में पोलीथीन का इस्तेमाल नहीं करने का संकल्प भी दिलाया। उन्होंने जल उपलब्धता के आंकड़े बताते हुए डार्क जॉन के खतरे से निपटने की दिशा में कार्य के भी निर्देश दिए।

पंचायत राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान एक व्यापक एवं महत्वपूर्ण योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य बहते हुए जल को रोककर उसका संरक्षण करना है। उन्होंने सिरोही जिले में धरातल जल स्तर में आई उल्लेखनीय वृद्धि का उदाहरण देते हुए वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

देवासी ने जनभागीदारी को इस अभियान की सफलता का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जल संरक्षण संभव है। उन्होंने बावड़ियों, तालाबों के पुनर्जीवन, घास विकास, पौधारोपण एवं अन्य जल स्रोतों के निर्माण को प्राथमिकता देने को कहा। कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को पंत कृषि भवन, जयपुर के सभा कक्ष में किया गया। इसमें पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगाराम ने सीएसआर के कार्यों एवं सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी।

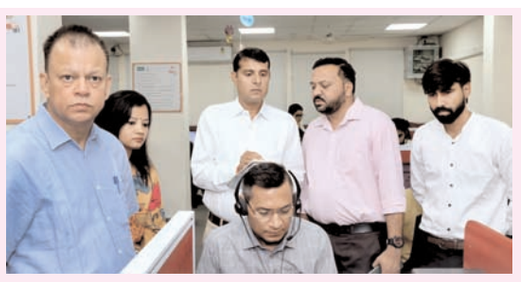

आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम है हेल्पलाइन : नीरज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के महानिदेशक नीरज के. पवन ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा और सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस दिशा में 181 संपर्क हेल्पलाइन एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन की बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत समस्याओं पर गंभीरता से संज्ञान लिया जा रहा है तथा विभागीय उच्च अधिकारियों द्वारा उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस अवसर पर आरआईएसएल के समूह महाप्रबंधक जी.के. शर्मा ने संपर्क पोर्टल की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पोर्टल के प्रमुख मॉड्यूलग्रीवेंस मैनेजमेंट , सर्विस डिलीवरी मॉनिटरिंग, रियलिटी चेक सर्वे, ई-जनसुनवाई एवं निरीक्षणके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का विभिन्न स्तरों पर विश्लेषण किया जाता है, जिससे संबंधित विभागों द्वारा उनका शीघ्र और प्रभावी निस्तारण संभव हो पाता है।

जल जीवन मिशन घोटाला मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बृहस्पतिवार को करोड़ों रुपये के जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाला मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को नयी दिल्ली से गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। जयपुर की एक अदालत ने लंबे समय से फरार अग्रवाल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने प्रेसवार्ता में बताया, जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चार और गिरफ्तारियां लंबित थीं, जिनमें से एक आरोपी सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गणपति ट्यूबवेल्स और श्याम ट्यूबवेल्स नामक कंपनियों ने निविदा प्रक्रिया में फर्जी प्रमाणपत्र जमा किए और संबंधित अधिकारियों ने जानकारी होने के बावजूद कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया में एक विशेष शर्त से कंपनियों की पहचान उजागर हुई, जो अनुचित थी। उन्होंने कहा कि एसीबी ने अग्रवाल समेत चार आरोपियों के खिलाफ स्थायी वारंट प्राप्त किए हैं तथा अब उनकी गाड़ियों की नीलामी की जाएगी और संपत्तियों को जब्त किया जाएगा।

ओडिशा: एनआईए ने भुवनेश्वर विस्फोट की जांच शुरू की

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जनवरी में भुवनेश्वर में हुए विस्फोट की जांच शुरू कर दी है। इस विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनआईए की तीन सदस्यीय टीम ने यहां एयरफील्ड थाने का दौरा किया और आजाद नगर में 27 जनवरी को हुए विस्फोट के संबंध में प्राथमिकी तथा फोरेंसिक रिपोर्ट सहित दस्तावेज एकत्र किए। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं ने जनवरी में विस्फोट स्थल का दौरा किया था और शुरुआती पड़ताल के हिस्से के रूप में फोरेंसिक साक्ष्य तथा सीसीटीवी फुटेज की जांच की थी। भुवनेश्वर के सहायक पुलिस आयुक्त (जोन 2) कृष्ण चंद्र पालेई ने यहां पत्रकारों से कहा, कानूनी प्रक्रिया के अनुसार, यह मामला एनआईए को सौंपा जा रहा है। वे जो भी दस्तावेज मांगेंगे, हम उन्हें उपलब्ध कराएंगे।

बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए सम्राट चौधरी के समर्थन में लगे पोस्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के अगले मुख्यमंत्री के नाम को लेकर विभिन्न वर्गों में जारी अटकलों के बीच, बृहस्पतिवार को पटना स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय के बाहर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समर्थन में पोस्टर लगाए गए लेकिन इनमें से कुछ पोस्टर को बाद में पार्टी कार्यालय के कर्मचारियों ने हटा दिया।

यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए दिल्ली रवाना होने के बीच सामने आया। पोस्टर पर 'वाल्मीकि समाज' का नाम अंकित था। यह दलित समुदाय पारंपरिक रूप से सफाई कार्य से जुड़ा माना जाता है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने संवाददाताओं से कहा, ''हमें नहीं पता कि ये पोस्टर किसने लगाए हैं।

फिलहाल इतना ही कहा जा सकता है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाएगा, जैसा कि पार्टी की परंपरा रही है।''

इस बीच कयास लगाए जा रहे हैं कि शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद कुमार अगले सप्ताह अपनी कैबिनेट की अंतिम बैठक कर सकते हैं और उसके बाद मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं। चौधरी, मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अग्रणी नेताओं में गिने जा रहे हैं।

प्रभावशाली पिछड़ा वर्ग समूह कोइरी जाति से ताल्लुक रखने वाले चौधरी को 2023 में भाजपा की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष बनाया गया था और जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में लौटने के बाद 2024 में उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया।

पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में राजग के सत्ता में लौटने पर चौधरी फिर उपमुख्यमंत्री बने और इस बार उन्हें गृह विभाग भी मिला, जिसे अब तक कुमार छोड़ने से हिचकते रहे थे।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, 243 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा नई सरकार का गठन 14 अप्रैल के बाद कर सकती है। इस दिन हिंदू पंचांग का एक माह का अशुभ काल 'खरमास' समाप्त हो जाएगा।

नीतीश कुमार आज राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। उनके राज्यसभा जाने के साथ बिहार में नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा।

कुमार बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और हवाई अड्डे पर जद(यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा सहित पार्टी के नेताओं ने उनका स्वागत किया। कुमार ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, ''मैं यहां शपथ लेने आया हूं।'' उन्हें राज्यसभा सभापति सी पी राधाकृष्णन के कक्ष में उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के साथ ही बिहार में उनका शासनकाल समाप्त हो जाएगा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 14 अप्रैल को बिहार के नए मुख्यमंत्री का चुनाव कर सकता है।

बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद शपथ लेंगे और जल्द ही मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे।

निवेश के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों का भंडाफोड, दो गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उसके सरगना को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ द्वारा जारी बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक एसटीएफ ने शेयर बाजार और आईपीओ में अच्छी कमाई का लालच देकर निवेशकों को धोखा देने के आरोप में गाजियाबाद के रूपेश भारश्रे (26) को गिरफ्तार किया। रूपेश को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की एक शिकायत के बाद आठ अप्रैल को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तारी किया गया। अधिकारियों के अनुसार, भारश्रे एक कंपनी संचालित करता था, जो सेबी में पंजीकृत नहीं थी और वह निवेशकों का विश्वास हासिल करने के लिए फर्जी शेयर प्रमाणपत्र और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करता था। उसके कब्जे से जाली आधार कार्ड, चार मोबाइल फोन, एक पैन कार्ड, पासबुक और बैंक स्टेटमेंट आदि बरामद किए गए।

खरगे पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस का हमला, कहा-'यह पूरे दलित समाज का अपमान'

पटना/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की कथित टिप्पणी को लेकर पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि उनका (पार्टी अध्यक्ष का) अपमान पूरे देश के दलित समाज का अपमान है। राम ने यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा और संघ परिवार की दलित विरोधी मानसिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस समाज को सदियों तक हाशिये पर रखा गया, वही समाज अब पूरी ताकत के साथ मुख्यधारा में अपनी जगह बना रहा है और यही बात भाजपा एवं संघ परिवार को असहज कर रही है। उन्होंने कहा कि सम्मान की लड़ाई भूख की लड़ाई से भी बड़ी होती है और देश का दलित समाज अपने अपमान का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एक दलित नेता का राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ता कद बर्दाश्त नहीं कर पा रही है और यही कारण है कि उसके नेताओं में तिलमिलाहट दिखाई दे रही है। इस मौके पर कांग्रेस अभय दुबे ने कहा कि खरगे और राहुल गांधी की सोच देश में सभी वर्गों को समान सम्मान और समान अवसर देने की है।

मोदी नारी शक्ति पर उपदेश देते हैं जबकि भाजपा बलात्कारियों को माला पहनाती है : सागरिका घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस नेता सागरिका घोष ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिलाओं के अधिकारों के मामले में केवल बयानबाजी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी-शक्ति की बात करते हैं, जबकि उनकी पार्टी ''बलात्कारियों को माला पहनाती है।''

राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता घोष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी की पिछली टिप्पणियों की भी आलोचना की, जिसमें 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर की गई उनकी ''दीदी-ओ-दीदी'' वाली टिप्पणी भी शामिल है।

घोष ने कहा, ''दीदी-ओ-दीदी' कहकर मजाक उड़ाने से लेकर '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड' जैसे भद्दे कटाक्ष के बाद मोदी अब नारी शक्ति पर उपदेश दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऐसी पार्टी को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, जो यौन उत्पीड़न के आरोपियों की रक्षा करती है, बलात्कारियों को माला पहनाती है, और शक्तिशाली लोगों को बचाती है।''

घोष ने कहा कि यह सशक्तीकरण नहीं बल्कि 'चुनावी नौटंकी' है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर भाजपा महिलाओं के अधिकारों पर सिर्फ बयानबाजी तक सीमित है। उन्होंने भाजपा पर पाखंड के साथ लैंगिक समानता के उद्देश्य को नष्ट करने का भी आरोप लगाया।

बंगाल में 'अराजकता और घुसपैठ' को लेकर प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर अराजकता फैलाने और 2022 के बोगतुई नरसंहार का जिक्र करते हुए 'महाजंगल राज' फैलाने का आरोप लगाया, जिसमें बीरभूम जिले में लगभग 10 महिलाओं और बच्चों को जिंदा जला दिया गया था।

बीरभूम जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस का नारा 'मां-माटी-मानुष' महज एक बयानबाजी बनकर रह गया है। मोदी ने कहा, प. बंगाल में कुटीर उद्योग का पतन हो रहा है, जबकि टीएमसी ने कच्चे बम बनाने को एक कुटीर उद्योग में बदल दिया है। 2022 में बोगतुई में हुआ नरसंहार, जिसमें लगभग 10 महिलाओं और बच्चों को जिंदा जला दिया गया था, टीएमसी के 'महा जंगलराज' का प्रमाण है। उन्होंने कहा, टीएमसी शासन के दौरान घुसपैठियों द्वारा भूमि हड़पने का सिलसिला खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। घुसपैठिए कम वेतन पर काम लेकर स्थानीय लोगों की नौकरियां छीन रहे हैं। भाजपा के बंगाल में सत्ता में आने के बाद इन्हें निर्वासित कर दिया जाएगा और इनके सहयोगियों को जेल भेजा जाएगा। मोदी ने टीएमसी पर आदिवासियों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली राष्ट्रपति को भी नहीं बख्शा है। टीएमसी पर मनरेगा कोष की चोरी का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से भाजपा को चुनने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, हम बंगाल में 'वीबी-जी राम जी' योजना लागू करेंगे और लाभार्थियों के खातों में सीधे धन अंतरित करेंगे।

असम चुनावों में जबरदस्त मतदान बदलाव का संकेत है: गौरव गोगोई

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने राज्य में बदलाव के लिए बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए लोगों को बृहस्पतिवार को धन्यवाद दिया। गोगोई ने एक बयान में कहा कि लोगों ने ''नए बोर-असम'' (नए और ग्रेटर असम) और नए नेतृत्व की उम्मीद में मतदान किया। उन्होंने कहा, ''अब निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि वह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की सुरक्षा सुनिश्चित करे और चार मई को मतों की सही गिनती कराए।'' गोगोई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा और राज्य के प्रभारी चुनाव पर्यवेक्षकों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने गठबंधन सहयोगियों - रायजोर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई, असम जातीय परिषद के प्रमुख लुरिनज्योति गोगोई, माकपा के राज्य सचिव सुप्रकाश तालुकदार, भाकपा (माले) के राज्य सचिव बिबेक दास और एपीएचएलसी के अध्यक्ष जॉन इंगती कथार के प्रति आभार व्यक्त किया।

बम हमले के विरोध में मणिपुर घाटी के विभिन्न जिलों में प्रदर्शन, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

इंफाल/भाषा। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक घर पर बम हमले के विरोध में राज्य के घाटी के पांच जिलों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए रैलियां निकालीं और टायर जलाए। बिष्णुपुर जिले में बम हमले की इस घटना में दो बच्चों की मौत हो गई थी।

इंफाल पश्चिम जिले के टिडिम लाइन में संगठन 'ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन' (एएमयूसीओ) के तत्वावधान में सैकड़ों लोगों ने क्राकेइथेल के पास स्थित संगठन के कार्यालय से रैली निकाली, जिसमें हत्याओं की निंदा की गई और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई। हमले में मारे गए दो नाबालिगों के पोस्टर लिए हुए कई बच्चे भी रैली में शामिल हुए जिन्हें सुरक्षा बलों ने क्राकेइथेल के पास आगे बढ़ने से रोक दिया। बाद में मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह से मुलाकात के लिए एएमयूसीओ के प्रतिनिधियों एवं अन्य को ले जाया गया ताकि वे अपनी चिंताओं को उनके सामने रख सकें।

असम में मतदान समाप्त, 84.42 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम विधानसभा चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार शाम पांच बजे समाप्त हो गया, जिसमें लगभग 84.42 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 2021 के असम विधानसभा चुनाव में 82.04 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिशों में जुटा है। वहीं, विपक्षी दल कांग्रेस राज्य में एक दशक पहले गंवाई गई सत्ता को वापस पाने का प्रयास कर रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, दलगांव में सबसे अधिक 94.57 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सबसे कम 70.40 फीसदी मतदान अमरी में दर्ज किया गया।

असम विधानसभा चुनाव में कुल 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के 35 जिलों के 31,490 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले गए। मतगणना चार मई को होगी।

छत्तीसगढ़ में दो लाख से अधिक शिक्षकों को मिलेगा एआई प्रशिक्षण

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में 'एआई सक्षम शिक्षा अभियान' की शुरुआत की जाएगी जिसके तहत राज्य में दो लाख से अधिक शिक्षकों को एआई प्रशिक्षण दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा को भविष्य की तकनीकों से जोड़ते हुए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नवाचारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख संजय जैन और गूगल इंडिया के पब्लिक पॉलिसी प्रमुख राजेश रंजन ने सौजन्य मुलाकात की।

गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख संजय जैन ने रायपुर जिला प्रशासन और गूगल के मध्य हुए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) की जानकारी साझा करते हुए बताया कि रायपुर जिले में पायलट परियोजना के रूप में एआई सक्षम शिक्षा अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के माध्यम से स्कूल शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचारों को बढ़ावा दिया जाएगा।

हुमायूं कबीर के कथित वीडियो को लेकर छिड़ा राजनीतिक विवाद, एजेयूपी नेता ने बताया एआई जनित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले हुमायूं कबीर का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने पर बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल में राजनीतिक विवाद छिड़ गया।

वीडियो में वह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से संबंध होने और विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराने के प्रयासों का कथित तौर पर दावा करते नजर आ रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने संवाददाता सम्मेलन में कथित वीडियो साझा किया और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के साथ कबीर की कथित निकटता के दावों की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच की मांग की। पार्टी का आरोप है कि ये दावे बनर्जी को चुनाव में हराने की साजिश का हिस्सा हैं।

'पीटीआई-भाषा' स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं कर रही है। वीडियो में, कबीर को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए ''किसी भी हद तक'' जाने को तैयार हैं और वह शुभेंदु अधिकारी सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं। कबीर ने वीडियो को कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की मदद से निर्मित और उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से बनाया गया बताया है और कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी। पिछले साल के अंत में तृणमूल द्वारा निलंबित किए जाने के कुछ दिनों बाद उन्होंने 'आम जनता उन्नयन पार्टी' (एजेयूपी) की स्थापना की थी। कबीर कथित तौर पर यह दावा करते भी सुनाई दे रहे हैं कि उन्होंने पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) के साथ बातचीत की थी और उन्हें अन्य भाजपा शासित राज्यों के नेताओं के साथ समन्वय करने की सलाह दी गई थी।

वीडियो में कथित तौर पर कबीर यह कहते हुए भी नजर आ रहे हैं कि उनकी रणनीति सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से अल्पसंख्यक वोटों को अपने पक्ष में करने के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिससे यह संकेत मिलता है कि इस तरह के बदलाव से भाजपा को चुनावी रूप से फायदा हो सकता है। वीडियो में, उन्होंने कथित तौर पर योजना को अंजाम देने के लिए 1,000 करोड़ रुपए के सौदे के हिस्से के रूप में अग्रिम के रूप पर 200 करोड़ रुपए प्राप्त करने का जिक्र किया है।

इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, तृणमूल के वरिष्ठ नेता और मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि कबीर अल्पसंख्यक मतदाताओं को गुमराह करने के लिए भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। कबीर से मुस्लिम समुदाय की भावनाओं और संवेदनाओं को हल्के में न लेने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि वीडियो राज्य में चुनावी परिणाम को प्रभावित करने के उद्देश्य से रची गई एक ''गहरी साजिश का पर्दाफाश'' करता है। हकीम ने आरोप लगाया कि वीडियो में कबीर को यह कहते हुए सुना गया कि बाबरी मस्जिद के मुद्दे को उठाना मुस्लिम वोटों को जुटाने में अधिक प्रभावी होगा, भले ही अंततः यह फलीभूत न हो।

भाजपा के प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा कि टीएमसी ने यह महसूस करने के बाद कि वे इस बार सत्ता में वापस नहीं आएंगे, सस्ते हथकंडे अपनाए हैं।

ब्राजील की लॉरा कारडोसो ने नौ विकेट के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय में इतिहास रचा

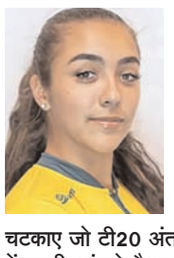

दुबई/भाषा। ब्राजील की तेज गेंदबाज लॉरा कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर नौ विकेट चटकाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। उन्होंने गैबोरोन में बोत्सवाना क्रिकेट संघ ओवल दो मैदान पर बीसीए कालाहारी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल की। पिछला रिकॉर्ड भूटान की सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (35 गेंद पर 48 रन) और मोनिके (41 गेंद पर नाबाद 69 रन) की शानदार पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया।

भाजपा ने सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूची से 90 लाख से अधिक नाम हटाए: ममता का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूचियों से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी।

उत्तर 24 परगना जिले के मीनाखान में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम शामिल कराने के लिए अदालत का रुख करेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, आपने बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटा दिए, लेकिन चुनाव हम ही जीतेंगे। उनकी यह टिप्पणी राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने के संदर्भ में आई। तृणमूल प्रमुख ने आरोप लगाया, भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बांग्ला भाषी लोगों को विदेशी बताया जा रहा है और उन्हें घुसपैठिया कहा जा रहा है। उन्होंने चुनाव को जनता के अस्तित्व और बंगाल की पहचान की लड़ाई करार दिया। ममता बनर्जी ने मतदाताओं से सतर्क रहने और बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि यह भागीदारी ही पश्चिम बंगाल के लोगों के अधिकारों और पहचान की रक्षा करेगी। इसी जिले के पाल्टा में एक अन्य रैली में उन्होंने दावा किया, भाजपा अपनी रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए लोगों को 500 रुपए तक दे रही है। भाजपा नेतृत्व को आगाह करते हुए उन्होंने कहा, अगस्त 2026 से भाजपा का अंत तय है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, वे (भाजपा) परिसीमन विधेयक के जरिए पश्चिम बंगाल को तीन हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए बिना, उन्हें 'मोटा भाई' कहकर संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियों के जरिए लोगों को डराने का प्रयास किया जा रहा है।

सुविचार

जीवन एक खेल है, इसे खिलाड़ी की तरह खेलें, दर्शक की तरह नहीं। मैदान छोड़कर भागने वाले कभी विजेता नहीं बनते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धन की सुरक्षा के लिए ज्ञान में निवेश

दिल्ली पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन साय-हॉक' के दौरान 600 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी और 8,300 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिए जाने से पता चलता है कि राष्ट्रीय राजधानी में साइबर अपराध गहरी जड़ें जमा चुका है। देश के कई शहर साइबर अपराधियों के गढ़ बनते जा रहे हैं। ये अपने काम में इतनी महारत हासिल कर चुके हैं कि आम लोगों के अलावा उच्च शिक्षित और अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ भी इनके शिकार बन रहे हैं। उत्तराखंड में एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी को साइबर ठगों ने 10 लाख रुपए का चूना लगा दिया। उन्होंने अपने सेवाकाल में हजारों खाता धारकों को सलाह दी होगी, अपनी धनराशि को सुरक्षित रखने के तरीके बताए होंगे, लेकिन जब खुद झांसे में आए तो अपनी कमाई गंवा बैठे। पुणे के एक 75 वर्षीय डॉक्टर रातोंरात मालामाल होना चाहते थे। उनके पास लगभग 12 करोड़ रुपए थे। उन्हें किसी ने वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़कर सलाह दी कि 'अपनी धनराशि हमारी योजना में निवेश कीजिए और भरपूर मुनाफा कमाइए।' उन्होंने अनजान व्यक्ति पर विश्वास कर निवेश कर दिया। कुछ दिन बाद उन्होंने अपना मुनाफा मांगा तो धमकी मिली। उनके करोड़ों रुपए डूब गए। इतने उच्च शिक्षित व्यक्ति ने सिर्फ मोबाइल फोन पर मिले प्रस्ताव को सच मान लिया! पुणे में ही एक बुजुर्ग महिला, जो आर्थिक रूप से जागरूक और उच्च शिक्षित हैं, को साइबर अपराधियों ने नकली सीबीआई अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर धमकाया और चार दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। इसके बाद उनसे 97 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। दिल्ली के एक प्रोफेसर को केवाईसी अपडेट कराने के लिए कहा गया। उन्होंने साइबर ठगों को ओटीपी समेत पूरा विवरण दे दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि प्रोफेसर के 15 लाख रुपए निकल गए।

हैदराबाद के एक वकील को फोन पर बताया गया कि उनके पार्सल में अवैध सामग्री मिली है। इसके बाद उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया। उनसे लाखों रुपए ठग लिए गए। वकील को यह भी नहीं पता था कि कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई प्रावधान नहीं है। हाल में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश डिजिटल अरेस्ट के शिकार हो गए। उन्हें साइबर ठगों ने इतना धमकाया कि उनके खातों में एक करोड़ रुपए से ज्यादा ट्रांसफर कर दिए। साइबर ठगी का यह तरीका इतना प्रचलित हो चुका है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों को सावधान किया था। इसके बावजूद लोग फंसते जा रहे हैं। उच्च शिक्षित लोग ज्यादा ठगे जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि आईटी प्रोफेशनल भी साइबर ठगों के झांसे में आ रहे हैं! जो तकनीक के बड़े जानकार हैं, वे साइबर जालसाजों की चाल समझने में गलती कर रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह है- अतिआत्मविश्वास। कई उच्च शिक्षित लोग सोचते हैं- 'मुझे तो बहुत जानकारी है, इसलिए कोई व्यक्ति धोखा नहीं दे सकता।' यह सोच उन्हें थोड़ा लापरवाह बना देती है। वे लोग भी साइबर ठगों के जाल में ज्यादा फंस रहे हैं, जो नियमित रूप से समाचार नहीं पढ़ते। अक्सर लोग घंटों सोशल मीडिया देखते हैं, लेकिन 15 मिनट अख़बार नहीं पढ़ना चाहते। उन्हें लगता है कि समाचार पढ़ना-सुनना समय की बर्बादी है। उन्हें इसका महत्त्व तब पता चलता है, जब साइबर ठगी के बाद कोई जागरूक व्यक्ति कहता है- 'क्या आप अख़बार नहीं पढ़ते? वहां तो ऐसे समाचार रोजाना छप रहे हैं!' सरकार साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, नए नियम लागू कर रही है, लेकिन ऐसे अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं। इनसे सुरक्षित रहने के लिए खुद को जागरूक होना पड़ेगा। अपने धन की सुरक्षा करने के लिए अपने ज्ञान में रोजाना थोड़ा-थोड़ा निवेश करना होगा।

ट्वीटर टॉक

लेजिस्लेटिव बॉडीज़ में महिलाओं के लिए रिज़र्वेशन आज के समय की ज़रूरत है! इससे हमारी डेमोक्रेसी और भी ज़्यादा वाइब्रेंट और पार्टिसिपेटिव बनेगी। इस रिज़र्वेशन को लाने में कोई भी देरी बहुत बुरा होगा।

-नरेन्द्र मोदी

गोवा में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन इंडिया रीजन ज़ोन तखख के पहले कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। आज और कल, इस महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस के प्लेनरी सेशन में दो बहुत महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

-ओम बिरला

ममता दीदी के गलत राज में खेत बंजर पड़े हैं और अन्नदाता परेशान हैं। यहां किसान अपने आलू औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हैं। मैं खुद खेतों में पहुंचा, किसानों से मिला, तो उनकी आंखों में चिंता साफ दिख रही थी।

-शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

शिक्षा और समर्पण

छात्र जीवन में जब डॉ. भीमराव अंबेडकर अमेरिका में पढ़ाई कर रहे थे, वे रोज सबसे पहले लाइब्रेरी पहुंचते और उसके बंद होने तक लगातार पढ़ते रहते थे। उनकी इस आदत को देखकर लाइब्रेरी का एक कर्मचारी बहुत प्रभावित हुआ। एक दिन उसने उनसे पूछा, 'आपकी उम्र के लोग पढ़ाई के साथ-साथ मौज-मस्ती भी करते हैं, लेकिन आप हमेशा पढ़ते ही रहते हैंऐसा क्यों?' अंबेडकर जी ने शांत भाव से उत्तर दिया, 'मेरे जीवन में एक बड़ा लक्ष्य है। मैं केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए पढ़ रहा हूं। मुझे शिक्षा के माध्यम से बहुत कुछ बदलना है।' यह सुनकर कर्मचारी आश्चर्यचकित रह गया और उनकी लगन की प्रशंसा करने लगा।

सामयिक

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाठ्यक्रम में सभी भारतीय भाषाओं को समान सम्मान मिले और विद्यार्थियों को अपने पसंद की भाषा चुनने की पूरी आजादी मिले। यह ध्यान देने योग्य बात है कि इस शैक्षणिक सत्र में कर्नाटक में 93 प्रतिशत विद्यार्थियों ने तृतीय भाषा के रूप में हिन्दी को चुना है। इससे क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बना रहेगा।

सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने वाली हो शिक्षा नीति

डॉ. विनय कुमार यादव

मोबाइल : 98809 01529

भारत की भाषाई विविधता एक ओर हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, तो दूसरी ओर यह प्रशासनिक और शैक्षणिक दृष्टि से एक जटिल चुनौती प्रस्तुत करती है। हमारे देश में सैंकड़ों भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं जिनमें बाइस भाषाएं संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त हैं। ऐसे बहुभाषी समाज में संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से भारत सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में त्रि-भाषा सूत्र को अपनाया।

त्रि-भाषा सूत्र का शुभारंभ वर्ष 1968 में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा राज्यों के परामर्श से किया किया गया। इसका उद्देश्य था छात्रों को उनकी मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा के साथ साथ एक अन्य भारतीय भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान प्रदान करना। यह नीति भारतीय एकता को सुदृढ़ करने के साथ भाषाई संतुलन बनाए रखने का एक प्रयास थी। इस सूत्र के अंतर्गत सामान्यता क्षेत्रीय भाषा या मातृ भाषा

1. हिन्दी (गैर-हिन्दी राज्यों में) या अन्य भारतीय भाषा (हिन्दी राज्यों में)
2. अंग्रेजी या विदेशी भाषा को शिक्षा में शामिल किया गया। समकालीन संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2020 में एक बार फिर मातृभाषा आधारित शिक्षा पर बल दिया गया। नई शिक्षा नीति में यह स्पष्ट किया गया है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा या स्थानीय भाषा में दी जानी चाहिए। साथ ही त्रि-भाषा सूत्र को लचीले रूप में लागू करने कि बात कही गई है किन्तु इस नीति के क्रियान्वयन में कर्नाटक सरकार ने अपने तरीके अपनाए जिसके कारण विवाद उत्पन्न हो गया। कर्नाटक में नई शिक्षा नीति के लागू होने के बाद भाषा को लेकर एक महत्वपूर्ण मसला सामने आया। कर्नाटक सरकार द्वारा महाविद्यालयों में कन्नड़ को अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि कई संस्थानों में हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को पाठ्यक्रम से हटाने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस निर्णय का व्यापक विरोध हुआ, विशेषकर हिन्दी और अन्य भाषाओं के प्राध्यापकों द्वारा। उनका तर्क था कि सरकार का यह कदम त्रिभाषा सूत्र की मूल भावना के विपरीत है जो भाषाई विविधता को कमजोर और असंतुलित करता है। प्राध्यापकों को न्यायालय का सहारा लेना पड़ा जहां कोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए इस निर्णय पर स्थगन आदेश दे दिया। यह निर्णय इस बात का संकेत था कि भाषा नीति को लागू करते समय संतुलन और संवैधानिक मूल्यों का ध्यान रखना आवश्यक है।

हाल ही में कर्नाटक के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा द्वारा कक्षा दस में बदलाव का प्रस्ताव सामने लाया गया। उन्होंने सुझाव दिया कि तृतीय भाषा हिंदी विषय के मूल्यांकन में बदलाव कर अंक की जगह केवल ग्रेड दिए जाएं। इस प्रस्ताव ने शिक्षा जगत में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। समर्थकों का मानना है कि ग्रेडिंग प्रणाली से छात्रों पर मानसिक दबाव कम होगा और समग्र क्षमता का मूल्यांकन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। वहीं आलोचकों का कहना है कि अंक प्रणाली हटाने से प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा में प्रवेश के दौरान कर्नाटक के बच्चों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता हैं। इस प्रकार यह प्रस्ताव एक नए विवाद का विषय बन गया है जिसने शिक्षा नीति और मूल्यांकन प्रणाली पर व्यापक चर्चा को जन्म दिया है।

इस घटना से त्रि-भाषा सूत्र की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। यह केवल एक शैक्षणिक नीति नहीं है, बल्कि भारत की विविधता में एकता को बनाए रखने का माध्यम भी है। त्रिभाषा सूत्र के माध्यम से कर्नाटक के छात्र हिन्दी भाषा सीख पा रहे हैं। दक्षिण का यह राज्य हिंदी भाषा के माध्यम से देश की मुख्यधारा से जुड़ पा रहा है। केंद्र सरकार की नौकरियों में कर्नाटक के अधिक से अधिक युवा जा रहे हैं। साथ ही हिंदी जानने की वजह से ही यहाँ के व्यापारी पूरे भारत में अपना व्यापार कर पा रहे हैं। हिंदी की उपेक्षा से न केवल शैक्षणिक असंतुलन बढ़ता है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक तनाव भी पैदा होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाठ्यक्रम में सभी भारतीय भाषाओं को समान सम्मान मिले और विद्यार्थियों को अपने पसंद की भाषा चुनने की पूरी आजादी मिले। यह ध्यान देने योग्य बात है कि इस शैक्षणिक सत्र में कर्नाटक में 93 प्रतिशत विद्यार्थियों ने तृतीय भाषा के रूप में हिन्दी को चुना है। इससे क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बना रहेगा।

भारत की भाषाई विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है लेकिन इसे संभालना भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। त्रि-भाषा सूत्र इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है जिसका उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करना तथा भाषा संतुलन और समावेशिता को बढ़ावा देना है। कर्नाटक का हालिया विवाद यह दर्शाता है कि भाषा और शिक्षा नीति आज भी संवेदनशील विषय है। अतः यह आवश्यक है कि नीतियों को लागू करते समय संवाद, सहमति और संवैधानिक मूल्यों को प्राथमिकता दी जाए। तभी एक ऐसे भारत का निर्माण हो सकेगा जहाँ सभी भारतीय भाषाएं समृद्ध होंगी।

– लेखक बिशप काटन विमेन्स क्रिश्चियन कालेज में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं।

नजरिया

युद्ध के मुहाने से लौटी दुनिया

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

इस पूरे घटनाक्रम से एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि कूटनीति से भी लड़े जाते हैं। कई बार पर्दे के पीछे होने वाली बातचीत ही युद्ध को टाल देती है। इस मामले में भी अंतिम क्षणों में हुई बातचीत ने एक बड़े विनाश को रोक दिया। यदि यह बातचीत विफल हो जाती, तो परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे।

दुनिया कभी-कभी ऐसे मोड़ों पर आ खड़ी होती है, जहाँ एक निर्णय पूरी सभ्यता के भविष्य को बदल सकता है। हाल के घटनाक्रम में यही स्थिति तब बनी जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुँच गया। वातावरण इतना तनावपूर्ण था कि किसी भी क्षण युद्ध का विस्तार एक बड़े विनाश में बदल सकता था। अमेरिका की सेना और उसके रक्षा तंत्र पूरी तरह तैयार थे और संकेत का इंतजार कर रहे थे कि कब हमला शुरू किया जाए। दूसरी ओर ईरान भी अपनी रक्षा और जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार बैठा था। यह केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया था, बल्कि पूरे क्षेत्र और विश्व व्यवस्था के लिए एक गंभीर संकट बन चुका था। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए बड़े पैमाने पर हमले की चेतावनी दे दी थी। यदि यह हमला होता, तो ईरान के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँच सकता था। इसके परिणामस्वरूप ईरान की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया आती, जो पूरे मध्यपूर्व को युद्ध की आग में झोंक सकती थी। इस पूरे घटनाक्रम में आम लोगों की स्थिति सबसे अधिक भयावह थी। ईरान के भीतर लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की तलाश में निकलने लगे थे, जबकि खाड़ी क्षेत्र के देश भी संभावित हमलों से बचने की तैयारी कर रहे थे।

इसी बीच कूटनीतिक प्रयास भी तेजी से चल रहे थे। कई देशों ने इस संकट को टालने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य था कि किसी तरह दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी रहे और युद्ध टल सके। ईरान की ओर से एक प्रस्ताव सामने आया, जिसमें कई शर्तें रखी गई थीं। शुरू में इस प्रस्ताव को स्वीकार्य नहीं माना गया, लेकिन बातचीत की प्रक्रिया जारी रही। धीरे-धीरे यह स्पष्ट होने लगा कि दोनों पक्ष युद्ध से बचना चाहते हैं, भले ही सार्वजनिक रूप से वे कठोर रुख अपनाए हुए हों। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे दिलचस्प बात यह रही कि निर्णय लेने की प्रक्रिया बेहद अनिश्चित और उलझी हुई थी। अमेरिका के भीतर भी यह स्पष्ट नहीं था कि अंतिम निर्णय क्या होगा। स्वयं उसके नेतृत्व के करीबी लोगों को भी यह अंदाजा नहीं था कि अगला कदम क्या होगा। एक ओर कठोर बयान दिए जा रहे थे, तो दूसरी ओर बातचीत के रास्ते खुले रखे जा रहे थे। यह द्वंद्व इस बात को दर्शाता है कि आधुनिक राजनीति में शक्ति और कूटनीति दोनों साथ-साथ चलते हैं।

ईरान के भीतर भी निर्णय लेने की प्रक्रिया जटिल थी। वहाँ की सत्ता संरचना में अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व के हाथ में होता है। इस कारण अंतिम सहमति मिलने में समय लगा। लेकिन जब अंततः समझौते की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत मिला, तो बातचीत ने तेजी पकड़ ली। बताया जाता है कि यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि इसमें सैन्य नेतृत्व और अन्य शक्तिशाली संस्थाओं को भी सहमत करना पड़ा। इसके बावजूद यह कदम उठाया गया, जो इस बात का संकेत है कि युद्ध की कीमत दोनों पक्ष समझ रहे थे। अंततः जो समझौता सामने आया, वह स्थायी शांति नहीं बल्कि अस्थायी विराम था। दोनों पक्षों ने कुछ समय के लिए संघर्ष रोकने पर सहमति जताई। इस समझौते के तहत समुद्री मार्ग को फिर से खोलने और आगे की बातचीत जारी रखने का रास्ता बनाया गया। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि इस मार्ग से विश्व का बड़ा हिस्सा तेल आपूर्ति पर निर्भर करता है। यदि यह बंद रहता, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ता। हालाँकि यह समझौता होने के बाद भी स्थिति पूरी तरह शांत नहीं हुई। कई जगहों पर संघर्ष जारी रहने की खबरें सामने आईं और इस बात को लेकर भी मतभेद रहे कि समझौते की शर्तें क्या हैं और उनका पालन कैसे किया जाएगा। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल एक अस्थायी राहत है, न कि स्थायी समाधान। दोनों पक्षों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर अभी भी गहरे मतभेद हैं, जैसे परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध और क्षेत्रीय प्रभाव। इस पूरे घटनाक्रम से एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि कूटनीति से भी लड़े जाते हैं। कई बार पर्दे के पीछे होने वाली बातचीत ही युद्ध को टाल देती है। इस मामले में भी अंतिम क्षणों में हुई बातचीत ने एक बड़े विनाश को रोक दिया। यदि यह बातचीत विफल हो जाती, तो परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस संकट में कई देशों ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह दर्शाता है कि आज की दुनिया में कोई भी बड़ा संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहता।

उसका प्रभाव वैश्विक होता है और उसे सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक होता है। इसी सहयोग ने इस बार भी युद्ध को टालने में मदद की। फिर भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह शांति स्थायी होगी। इतिहास बताता है कि अस्थायी समझौते अक्सर स्थायी समाधान में बदलने में सफल नहीं होते। जब तक मूल कारणों का समाधान नहीं होता, तब तक संघर्ष की संभावना बनी रहती है। इस मामले में भी कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान अभी बाकी है। यदि इन पर सहमति नहीं बनती, तो भविष्य में फिर से तनाव बढ़ सकता है।

अंत में यह कहा जा सकता है कि यह घटना केवल एक राजनीतिक या सैन्य घटनाक्रम नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए एक चेतावनी भी है। यह दिखाती है कि दुनिया कितनी तेजी से विनाश के करीब पहुँच सकती है और किस तरह अंतिम क्षणों में लिया गया एक निर्णय सब कुछ बदल सकता है। यह भी स्पष्ट होता है कि शांति केवल शक्ति से नहीं, बल्कि संवाद और समझ से संभव है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी गंभीर क्यों न हों, यदि बातचीत के रास्ते खुले रहें तो विनाश को टाला जा सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि दोनों पक्ष अपने मतभेदों को समझदारी से सुलझाने की इच्छा रखें। यही इस घटना का सबसे बड़ा संदेश है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का गुरुवार को मालदा में वेस्ट बंगाल असेंबली इलेक्शन से पहले पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

एआई का लाभ उठाने के लिए कौशल उन्नयन, शिक्षा प्रणाली में सुधार जरूरी: कामत

नई दिल्ली/भाषा

दिग्गज बैंकर के वी कामत ने कृत्रिम मेधा (एआई) को अगले दशक की प्रमुख प्रवृत्ति बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इसका लाभ उठाने के लिए कौशल उन्नयन एवं शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार जरूरी है।

कामत ने यहां 'एआईएमए' के एक कार्यक्रम में हीरो एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील कांत मुंजाल के साथ बातचीत में कहा कि भारत को महंगे फाउंडेशनल मॉडल विकसित करने के बजाय एआई के व्यावहारिक उपयोगों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, एआई के लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) बनाना ही अंतिम लक्ष्य नहीं है... हमें यह देखना चाहिए कि इसके उपयोग कहां किए जा सकते हैं। कामत ने वित्तीय सेवाओं में एआई के उपयोग की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कॉल सेंटर जैसे क्षेत्रों में इसे आसानी से लागू किया जा सकता है, जिससे दक्षता बढ़ेगी, लागत घटेगी और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन और आईसीआईसीआई बैंक के पूर्व चेयरमैन कामत ने कहा कि एआई-आधारित बदलावों का पूरा लाभ उठाने के लिए शिक्षा पाठ्यक्रम में बड़े स्तर पर सुधार और युवाओं को उपयुक्त प्रशिक्षण देना आवश्यक है। देश की आर्थिक स्थिति पर उन्होंने कहा कि फिलहाल महंगाई और ब्याज दरें नियंत्रण में होने से नीति-निर्माताओं के लिए दरें स्थिर रखने या घटाने की गुंजाइश बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौरान भारतीय उद्योग ने मजबूत जुझारूपन दिखाया और हर बड़े संकट ने उत्पादकता एवं दक्षता बढ़ाने का अवसर दिया है।

कामत ने कहा कि कंपनियों को तेज गति से काम करने के साथ संतुलन भी बनाए रखना होगा, अन्यथा जोखिम बढ़ सकता है।

एआई के दौर में छात्र अपना ज्ञान किताबों तक सीमित न रखें : उपराज्यपाल संधू

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सतत नवाचार जैसी तकनीकों के दुनिया को नया आकार देने के बीच युवाओं से अपनी शिक्षा को सिर्फ डिग्रियों और किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखने की बृहस्पतिवार को गुजारिश की।

उपराज्यपाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्व विद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के 18वें दीक्षांत समारोह में शिरकत की और विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संधू ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा एक ऐसे दौर में कदम रख रहा है, जहां एआई और सतत नवाचार जैसी तकनीकें दुनिया को नया आकार दे रही हैं, इसलिए इस बदलते दौर में अपनी शिक्षा केवल डिग्रियों और किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखनी चाहिए, बल्कि इसमें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप अनुकूलनशीलता, तार्किक सोच और नवाचार का साहस होना अनिवार्य है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 26,649 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 22,932 स्नातक, 3,582 स्नातकोत्तर, 11 एम.फिल. और 124 पीएचडी डिग्रियां शामिल हैं। इस वर्ष की पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में महिलाओं की 70 प्रतिशत भागीदारी रही। इसके अतिरिक्त, 76 गोल्ड मेडल और छह मेमोरियल अवॉर्ड्स भी मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। संधू ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक यात्रा का समापन नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में हजारों नई यात्राओं की शुरुआत है, इसलिए शिक्षा को केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि न मानकर, इसे समाज और राष्ट्र के प्रति एक जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह की महान शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि ज्ञान न्याय और सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और भारत का भविष्य इन प्रतिभाशाली युवाओं के हाथों में सुरक्षित है, जो अपने साहस, उद्देश्य और समर्पण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे।वहीं, मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि छात्रों के वर्षों के कठिन परिश्रम, अटूट समर्पण और कड़े अनुशासन का प्रतिफल है।

गुप्ता ने कहा कि आज स्नातक हो रहे युवा ही 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने वाले वास्तविक सारथी हैं तथा उनकी प्रतिभा और सामर्थ्य ही देश को वैश्विक पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग न केवल व्यक्तिगत प्रगति के लिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए भी करें।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय द्वारा एआई, रोबॉटिक्स, डेटा साइंस और डिजाइन नवाचार जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

गुप्ता ने विशेष रूप से 'अटल इन्क्यूबेशन सेंटर' का उल्लेख करते हुए कहा कि 170 से अधिक स्टार्टअप को समर्थन देकर विश्वविद्यालय युवाओं को 'जॉब सीकर' (नौकरी मांगने वालों) के बजाय 'जॉब क्रिएटर' (नौकरी सृजित करने वाला) बना रहा है। मुख्यमंत्री ने मेडल व डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, हमारे युवाओं को जिस तरह की शिक्षा चाहिए, जैसी सुविधाएं चाहिए, हमारी सरकार उसी पर फोकस कर रही है।

व्यापार समझौते के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने को तैयार : सर्जियो गोर

वाशिंगटन/भाषा। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में वाशिंगटन पहुंचने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने और प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं।गोर इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। उन्होंने ग्रीर के साथ हुई इस बैठक को 'बेहद सार्थक' बताया। सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''दक्षिण और मध्य एशिया में अमेरिकी राष्ट्रपति की व्यापार प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए ग्रीर के साथ बेहद सार्थक बैठक हुई।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिका और भारत पहले ही एक व्यापार समझौते पर सहमत हो चुके हैं और हम इस महीने के अंत में वाशिंगटन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं।''यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वाशिंगटन में 'भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा पोर्टल' की शुरुआत की।

अदालत ने फिल्मकार को आदित्य धर पर पटकथा चोरी का आरोप लगाने से रोका

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक अंतरिम आदेश दिया, जिसमें फिल्मकार संतोष कुमार को यह आरोप दोहराने से रोक दिया गया है कि फिल्म निर्देशक आदित्य धर ने उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' की पटकथा उनसे चुराई है।धर ने उच्च न्यायालय में यह दावा किया है कि कुमार के बार-बार लगाए गए आरोप मानहानि करने वाले हैं और उनकी साख को नुकसान पहुंचाते हैं।न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर ने अंतरिम आदेश देते हुए कहा कि धर ने ऐसी राहत देने के लिए प्रथम दृष्टया मामला प्रस्तुत किया।

अदालत ने कहा, ''अगली तारीख तक, प्रतिवादी (कुमार) द्वारा (धर द्वारा दायर किए गए) मुकदमे में बताए गए शब्दों और टिप्पणियों और इसी तरह के सभी दूसरे आरोपों के दोहराने पर रोक रहेगी।''पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 अप्रैल की तारीख तय की। वाद के मुताबिक, कुमार ने 2025 में आई फिल्म ''धुरंधर'' के सीक्वल ''धुरंधर: द रिवेंज'' की रिलीज के बाद ये आरोप लगाए थे, जिसमें धर पर ''डी साहेब'' नाम की उनकी पंजीकृत पटकथा की कॉपी करने का आरोप लगाया गया था।

धर ने शुरू में कुमार को एक कानूनी नोटिस भेजा, जिसमें किसी भी तरह की साहित्यिक चोरी से इनकार किया गया और उनसे आगे आरोप लगाने से परहेज करने को कहा गया, लेकिन जब उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, तो धर ने डीएसके लीगल फर्म के जरिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। धर के वकील बीरेंद्र सराफ ने अदालत को बताया कि बार-बार आरोप लगाने से फिल्मकार की साख को ऐसा नुकसान हो रहा है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती।

विद्या बालन: एक ऐसी अभिनेत्री जो हर भाषा में रचती हैं जादू

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में शुमार विद्या बालन ने हमेशा अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अपनी फिल्मों के चयन से लेकर अपने किरदारों की गहराई तक, विद्या ने हर बार यह साबित किया है कि वह एक सशक्त और बहुमुखी कलाकार हैं। विद्या बालन की खास बात यह है कि उन्होंने भाषा की सीमाओं को कभी अपने काम के बीच नहीं आने दिया। हिंदी के साथ-साथ उन्होंने विभिन्न भाषाओं और लहजों में सहजता से काम किया है। उनकी संवाद

अदायगी, उच्चारण और भावनात्मक पकड़ हर भाषा में उतनी ही प्रभावशाली रहती है। चाहे वह किसी छोटे शहर की महिला का किरदार हो या एक मजबूत, आत्मनिर्भर व्यक्तित्व, विद्या हर भूमिका में पूरी सच्चाई के साथ उतरती हैं। यही कारण है कि देशभर के दर्शक उनसे खुद को जोड़ पाते हैं, चाहे उनकी भाषा या क्षेत्र कोई भी हो। विद्या का मानना है कि सिनेमा एक ऐसी कला है जो भाषा से परे है। उनके लिए हर किरदार एक नई यात्रा है, जहां वह सिर्फ संवाद नहीं बोलतीं, बल्कि उस भावना को जीती हैं। आज के दौर में जब भारतीय सिनेमा वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है, विद्या बालन जैसी कलाकार इस बदलाव की सबसे मजबूत कड़ी हैं, जो अपने अभिनय से हर भाषा, हर दर्शक तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं।

'नागिन 7' में नाग गुरु के अवतार में नजर आएंगे अक्षय कुमार, प्रियंका चाहर चौधरी को करेंगे ड्रैगन से सतर्क

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और फिल्मों के बीच का रिश्ता अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गया है। बड़े सितारे अपनी फिल्मों के प्रमोशन के लिए टीवी शोज का सहारा लेते हैं, जिससे दर्शकों को भी कुछ नया और अलग देखने को मिलता है। इसी कड़ी में बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के लिए टीवी के पॉपुलर शो 'नागिन 7' में नजर आने वाले हैं। इस खास एपिसोड की झलक सामने आते ही दर्शकों के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है।

कलर्स टीवी चैनल ने इंस्टाग्राम पर इस एपिसोड का प्रोमो शेयर किया है। यह एपिसोड 11 अप्रैल, शनिवार को प्रसारित किया जाएगा। प्रोमो में अक्षय कुमार 'नाग गुरु' के रूप में दिखाई दे रहे हैं। यह अवतार उनके फैंस के लिए काफी दिलचस्प और नया है। वीडियो की शुरुआत में अक्षय कुमार फिल्म के गाने 'राम जी आके भला करेंगे' पर जबरदस्त डांस करते नजर आते हैं। इसके बाद कहानी में एक नया मोड़ आता है, जब वह प्रियंका चाहर चौधरी के किरदार नागिन आहना को सतर्क करते हैं। अक्षय कहते हैं, ''ड्रैगन ही तुम्हारा सबसे बड़ा दुश्मन है, जो इतना विशाल है कि उसकी परछाई से जमीन पर रोशनी तक नहीं पहुंचती।'' प्रोमो में आगे ड्रैगन और नागिन के बीच 'ड्रैगन पर्ल' को लेकर जबरदस्त टक्कर देखने को मिलती है। यह मुकाबला विजुअली भी काफी दमदार नजर आता है, जो दर्शकों को स्क्रीन से बांधकर रखने का काम करेगा।

वीडियो के साथ चैनल ने कैप्शन में लिखा है, ''क्या ड्रैगन पर्ल की इस घमासान लड़ाई में नागिन देगी अपने दुश्मन को मात?'' इससे पहले भी एक प्रोमो सामने आया था, जिसमें अक्षय कुमार फोन पर नागिन आहना को ड्रैगन के खतरे के बारे में बताते हैं। आहना उनसे मदद मांगती है, लेकिन अक्षय उन्हें समझाते हैं कि इस लड़ाई को उसे खुद ही लड़ना होगा। वह बताते हैं, ''ड्रैगन को हराने का एक ही तरीका है और वो है उसकी खुद की आग।'' यह तरीका कहानी को और ज्यादा रहस्यमयी और दिलचस्प बनाता है। अक्षय कुमार प्रोमो में कहते नजर आते हैं कि जब नागिनों की नागिन परेशान होती है, तो उन्हें आना ही पड़ता है, लेकिन असली लड़ाई आहना को खुद ही लड़नी होगी। इसके बाद आहना उनसे वादा करती है कि वह इस चुनौती का सामना करेगी और ड्रैगन का खात्मा करेगी। आपको बता दें कि फिल्म 'भूत बंगला' को एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यही वजह है कि फिल्म के प्रमोशन के लिए अक्षय कुमार की एंट्री 'नागिन 7' में करवाई गई है। इस खास एपिसोड के जरिए दर्शकों को एक साथ टीवी ड्रामा और फिल्मी तड़का देखने को मिलेगा।

वोट

एर्नाकुलम जिले में केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कलमसेरी में एचएमटी स्कूल पोलिंग स्टेशन पर वोट डालने के बाद एक नया शादीशुदा जोड़ा अपनी स्याही लगी उंगलियां दिखाता हुआ।

प्रदर्शनी

चंडीगढ़ में पंजाब यूनिवर्सिटी में कवच 3.0 के हिस्से के तौर पर एक डिफेंस प्रदर्शनी के दौरान नेशनल कैडेट कोर के कैडेट हथियार चलाने की ड्रिल करते हुए।

'सच में? कैसे?' अमिताभ बच्चन के दो शब्दों के पोस्ट ने फैंस को किया सोचने पर मजबूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चाओं में बने रहते है। उनके पोस्ट लोगों को सोचने पर मजबूर कर देते है। इस कड़ी में बुधवार को उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक दिलचस्प पोस्ट साझा किया, जिसने फैंस के बीच चर्चाएं तेज कर दी। अमिताभ ने अपने पोस्ट में केवल दो शब्द लिखे- टी 5704 - सच में? कैसे?.. यह छोटा सा पोस्ट ही ऐसा था कि फैंस तुरंत सोचने और कमेंट करने पर मजबूर हो गए। सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स ने अनुमान लगाने शुरू कर दिया कि इस पोस्ट में अभिनेता क्या कहने की कोशिश कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ''सर, हम कैसे जान सकते हैं? सवाल क्या है, सिर्फ आपको पता है, तो प्लीज खुद जवाब दें।''

वहीं दूसरे यूजर ने थोड़े हल्के अंदाज में लिखा, ''सच में या कैसे में मत पड़ो! बस पलों का मजा लो।'' अन्य फैंस ने भी प्रतिक्रियाएं दी। किसी ने लिखा कि यह शायद किसी फिल्म की लाइन का कोड है, तो किसी ने अंदाजा लगाया कि यह अमिताभ का किसी खास खबर की और इशारा हो सकता है।

वहीं अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर भी अपने विचार साझा किए, जिसमें उन्होंने जीवन की अनिश्चितताओं और सवालों के जवाब खोजने की प्रक्रिया पर गहराई से लिखा। ब्लॉग में उन्होंने लिखा, ''एक शांत और विचारशील दिन अपने आप और अपने परिवेश के साथ इतनी सारी सोच और बातें भीतर में, खुद से सवाल करना, जवाब पाने की कोशिश करना लेकिन ज्यादातर उत्तर अस्पष्ट या बहुत कम ही मिलते हैं।'' अमिताभ ने ब्लॉग में आगे कहा, ''जीवन में निश्चित उत्तर प्राप्त करना मुश्किल होता है। हर दिन, हर पल हमें दुनिया के अद्भुत और जटिल पहलुओं के बारे में सोचने पर मजबूर करता है, लेकिन उत्तर हमेशा सुनिश्चित नहीं होते। कई लोगों ने जीवन भर 'क्यों' और 'कैसे' के सवालों के जवाब खोजने में समय बिताया, लेकिन अंत में भी केवल कुछ शब्दों पर पहुंच पाए जो विचारों का विश्लेषण करते हैं, पर निश्चित उत्तर नहीं दे पाते।''

फिल्मों से ज्यादा विवादों में रहीं स्वरा भास्कर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की विवादित क्वीन स्वरा भास्कर अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने बयानों को लेकर हमेशा विवादों में रही हैं। वैसे तो उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी ज्यादातर फिल्में औसत या तो फिर फ्लॉप रहीं। हालांकि, उन्होंने दो बड़ी बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया, जिसमें प्रेम रतन धन पायो और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स शामिल हैं। अभिनेत्री 9 अप्रैल को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं, और इस मौके पर हम उनके 5 बड़े विवादों के बारे में जानेंगे, जिनको लेकर उन्हें सबसे ज्यादा ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। स्वरा भास्कर हमेशा अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के गाने बेशर्म रंग को लेकर खूब विवाद हुआ था। गाने में अभिनेत्री द्वारा भगवा रंग का स्विमसूट पहना गया था, जिसे लेकर फिल्म और अभिनेत्री का बॉयकॉट करने की मांग की गई थी। इसी विवाद पर स्वरा ने एक राजनेता को जवाब देते हुए कहा था, मुझे लगता है कि हमारे नेता अभिनेत्रियों के कपड़े कम देखेंगे और अपने काम पर ज्यादा फोकस करें तो ज्यादा अच्छा होगा। हिजाब को लेकर मुस्लिम महिलाओं के अपमान की तुलना द्रौपदी के वस्त्रहरण से करने पर उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए और उन्हें ट्रोल किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि महाभारत में द्रौपदी के जबरन कपड़े उतारे गए थे और सभा में बैठे शक्तिशाली, कानून बनाने वाले लोग देखते रहे...ऐसे ही आज याद आया।

फिल्म पद्मावत के रिलीज के बाद स्वरा भास्कर ने संजय लीला भंसाली को खुला पत्र लिखा था और उन्हें एक खराब डायरेक्टर बताया था। उन्होंने लिखा था, क्या पुरुष महिलाओं की सिर्फ एक ही चीज पर नजर रखते हैं? क्या बलात्कार के बाद महिला को जीने का अधिकार नहीं है? क्या महिलाओं के पास मौत के अलावा कोई और विकल्प नहीं है? उन्होंने यह कटाक्ष जौहर सीन पर किया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें अच्छी-खासी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

साल 2018 में भारतीय सेना पर स्वरा भास्कर के एक ट्वीट ने काफी हंगामा मचा दिया था। अभिनेत्री ने कई ट्वीट किए थे, जिनमें उन्होंने सेना को मूर्ख कहा था, जिसके बाद स्वरा को जमकर ट्रोल किया गया था। उनका कहना था कि आर्मी फील्ड में अपनी मनमर्जी का काम करती रहती है। जातिगत अभिमान से भरे कुछ मूर्खों ने आदमियों को जीप से बांधकर, उन्हें कोड़े मारकर और उनका प्रचार किया। यह ट्वीट अभिनेत्री ने मेजर लीतुल गोगोई को लेकर किया था, जिन पर चुनाव के दौरान एक पत्थरबाज को जीप पर बांधकर घुमाने का आरोप लगा था।

साल 2026 में होली पर तरुण खाटिक के साथ घटी घटना को लेकर भी अभिनेत्री ने हंगामा मचाने वाली राय रखी थी। उन्होंने लिखा था, होली के दौरान मुस्लिम पड़ोसियों के साथ झड़प हुई और उसमें तरुण खाटिक की हत्या के बाद पूरा संघी इकोसिस्टम हंगामा मचा रहा है। नफरत फैलाने वाले संघी लोगों ने क्या किया... उन्होंने मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदू लड़के की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की खबर को हेडलाइन्स और पोस्टों में फैलाया और नारा लगाया कि हिंदू खतरे में हैं। इस ट्वीट के बाद उन्हें काफी ट्रोल होना पड़ा था।

'फ्रीडम पार्क सहित शहर के सैंकड़ों धार्मिक स्थलों पर गूंजा नवकार महामंत्र'

विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर दिया 'एक विश्व, एक मंत्र' का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ व साउथ टीम द्वारा गांधीनगर स्थित फ्रीडम पार्क में विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन उत्साह, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण के साथ संपन्न हुआ। गुरुवार को सुबह से ही फ्रीडम पार्क में जैन श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ने लगा और पूरे सभागार में आस्था, भक्ति एवं उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ जीतो के पदाधिकारियों, गणमान्य अतिथियों एवं सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर जीतो के पदाधिकारियों ने चतुर्विध धर्मसंघ एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। फ्रीडम पार्क में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। फ्रीडम पार्क के साथ-साथ बेंगलूरु शहर के 108 अन्य स्थानों पर भी सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र का जाप किया गया, जिससे पूरा शहर नवकारमय हो उठा।

'जीतो' नार्थ व साउथ चैप्टर ने किया नवकार जाप का आयोजन

कार्यक्रम में जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र दिवस विश्व में शांति का संदेश पहुंचाने का माध्यम बना है। उन्होंने कहा कि जैन समाज की प्रतिभाएं आज विभिन्न उच्च पदों पर रहते हुए भी अपनी आस्था और सकारात्मक सोच से समाज की एकता और उन्नति को निरंतर सशक्त कर रही हैं। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा कि विश्व नवकार महामंत्र दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक शांति एवं विश्व कल्याण की भावना से जुड़ा पावन अवसर है। उन्होंने बताया कि श्रमण आरोग्यम एवं जेबीएन नेटवर्किंग जैसे प्रकल्पों के माध्यम से जीतो समाज सेवा एवं आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन नॉर्थ के मुख्य सचिव विजय सिंघवी एवं साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

नवकार मंत्र एक सार्वभौमिक प्रार्थना है : गृहमंत्री अमित शाह

विश्व नवकार दिवस का मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुआ जिसमें देश के गृह मंत्री अमित शाह ने ऑडियो-वीडियो माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र केवल जप नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि इस मंत्र को श्रद्धा एवं विश्वास के साथ अपनाएं, क्योंकि इसका जप निश्चित रूप से सिद्धि प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह मंत्र किसी जाति, धर्म या काल की सीमा में बंधा नहीं है, बल्कि एक सार्वभौमिक प्रार्थना है जो आत्मज्ञान और मोक्ष का मार्ग दिखाती है। उन्होंने आगे कहा कि नवकार महामंत्र की महिमा अनंत है, यह आत्मशुद्धि एवं आंतरिक शत्रुओं के नाश का मार्ग प्रशस्त करता है और पंच परमेष्ठी के गुणों की वंदना के माध्यम से जीवन को ऊंचाइयों तक ले जाता है। फ्रीडम पार्क में अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि विश्व शांति के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रेम, भाईचारे एवं अहिंसा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बना है।

जैन श्रावक की आस्था का मूल आधार है नवकार महामंत्र

कार्यक्रम में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी, लोकेशमुनिजी के सान्निध्य व मार्गदर्शन में उपस्थित जनों ने नमस्कार महामंत्र का सामूहिक जाप किया गया।मलयप्रभसागरजी ने कहा कि एक ही समय में विश्वभर में नवकार महामंत्र का जाप करना विश्व शांति का सशक्त संदेश है और यह जीतो की अद्भुत पहल है। उन्होंने आगे कहा कि नवकार महामंत्र के नियमित जप से आत्मिक शांति, ऊर्जा एवं जीवन में संतुलन प्राप्त होता है, जो शाश्वत सुख का मार्ग प्रशस्त करता है। लोकेश मुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र जैन श्रावक की आस्था का मूल आधार है और इसका स्मरण जीवन की अंतिम श्वास तक बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वास्तविक कमाई धन-संपत्ति नहीं, बल्कि जप और तप है, जो आत्मकल्याण का मार्ग है। उन्होंने प्रेरित किया कि जीवन में ऐसी भावना हो कि जप-तप करते हुए ही इस संसार से विदा लें-यही सर्वोत्तम साधना है।

नवकार मंत्र के पहले सुबह संगीतकार पारस गड़ा एवं जैनम वारिया ने मधुर स्वरलहरियों के साथ नवकार महामंत्र की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु ध्यानमग्न हो गए। इस आयोजन का संचालन स्मित कोठारी ने किया।

अनेक गणमान्य व जीतो के पदाधिकारी रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक उच्च न्यायालय न्यायाधीश एमआई अरुण, कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायधीश पीएन देसाई, न्यायाधीश शुभवीर जैन, अपरनगर सिविल न्यायालय सत्र न्यायाधीश पद्माप्रसाद जैन, योजना एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव मनोज जैन, आईआरएएस अधिकारी अजय कुमार जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता पीपी हेगड़े, पुलिस महानिरीक्षक जिनेंद्र खानगावी आदि उपस्थित थे। न्यायाधीश एमआई. अरुण ने कहा कि नवकार महामंत्र मंत्रों में मंत्र है, क्योंकि यह किसी व्यक्ति विशेष नहीं, बल्कि श्रेष्ठ गुणों की वंदना करता है। मनोज जैन ने कहा कि नवकार महामंत्र एक अद्भुत एवं सार्वभौमिक मंत्र है, जो समाज को एकता के सूत्र में पिरोता है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जीतो अपेक्स, साउथ, नार्थ, लेडीज विंग, युवा विंग, पूर्व पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम के संयोजन की जिम्मेदारी नॉर्थ के संयोजक प्रवीण चौहान तथा साउथ के संयोजक महेंद्र रांका एवं नॉर्थ सहसंयोजक सुनील लोढ़ा एवं सहसंयोजक महावीर दांतेवाड़िया ने संभाली। अंत में आयोजकों ने सभी साधु-संतों, अतिथियों, पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

भौतिक और आध्यात्मिक सिद्धियों के लिए साधना जरूरी : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। गुरुवार को केशवापुर स्थित वासुपूज्य नूतन भवन में शहर के विविध युवा संगठनों के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भौतिक और आध्यात्मिक, सभी प्रकार की सिद्धियों के लिए साधना जरूरी है। कष्ट सहे बिना इष्ट की प्राप्ति नहीं होती। बिना पुरुषार्थ के प्रारब्ध नहीं बदलता और सफलता का पथ प्रशस्त नहीं होता। जो बार-बार पीछे मुड़कर देखते हैं तथा अपने निर्णय बदलते रहते हैं, अक्सर वे सिद्धियों से दूर रह जाते हैं। जो दृढ़ संकल्प पूर्वक ध्येयसिद्धि के लिए प्रयत्न करते हैं, वे ही कालांतर में मीठे फल खाते हैं। आज किशोर व युवा पीढ़ी को सोच समझकर, विचलित हुए बिना, सही निर्णय लेकर, आगे बढ़ने की आवश्यकता है। जिनका मन मित्र, खेल, व्यसन, मोबाइल, आलस्य, विजातीय संबंध और मौज मस्तियों में अनुरक्त हैं, वे जीवन में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त नहीं कर सकते।ङ्क जैनाचार्य ने आगे कहा कि तात्कालिक छोटी-बड़ी सफलताओं के लिए उतावला नहीं होना चाहिए। धीरज के फल मीठे होते हैं, यह कहावत सिर्फ मुहावरा नहीं, किशोर व युवा वर्ग के लिए वास्तविकता और महान प्रेरणा है। नाम या पद-सम्मान के लिए काम करना भी महानता नहीं, तुच्छता है। इसके लिए बलिदानी, समर्पित समाजसेवकों को याद करने की आवश्यकता है, जिन्होंने राष्ट्र, धर्म, समाज, संस्कृति और मानवता की रक्षा के लिए लंबे समय तक अपार संघर्ष किया। सुभाषचंद्र बोस, वीर सावरकर, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, कित्तूर की रानी चेन्नमा, वल्लभभाई पटेल, ज्योतिराव गोविंदराव फूले और अनेक साधु-संन्यासी हुए, जिन्होंने अपने नाम-सम्मान और सुख-सुविधाओं की कभी कोई परवाह नहीं की। ऐसे हजारों लोगों के खून-पसीने से भारत राष्ट्र खड़ा और बड़ा हुआ है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आधुनिक किशोर व युवा पीढ़ी की एक बड़ी कमज़ोरी है और वह है सहनशीलता का अभाव। इसके कारण वे बार-बार अपने निर्णय बदलते हैं, नौकरी या कामकाज बदलते हैं, अनिर्णायक मनस्थिति में जीते हैं, अपेक्षाएं पूरी नहीं होती तो वे हताश हो जाते हैं, तनावग्रसित रहते हैं, चिड़चिड़े बन जाते है, मनोरोगी हो जाते हैं। सफलता और सिद्धियों के मार्ग में ये सब बड़ी बाधाएं हैं। आज आधी दुनिया इन कारणों से दुःखी है। इन सारी समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक सोच और मनोवैज्ञानिक शिक्षण की आवश्यकता है। ङ्कङ्कजैनाचार्य ने सभी संगठनों को समाज-कल्याण के लिए समर्पित भावों से काम करने का अनुरोध किया। उन्होंने सभी को आपसी प्रेम और परस्पर सहयोग की प्रेरणा दी। इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि राष्ट्र, धर्म, समाज और मानवता के लिए काम करने वाले लोग सौभाग्यशाली होते हैं।

हनुमंतनगर जैन संघ में हुआ नवकार मंत्र का सामूहिक जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमन्तनगर के तत्वावधान में विराजित आचार्यश्री रामलालजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री मल्लिप्रभाजी के सान्निध्य में विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के गतिमान दस दिवसीय बाल संस्कार शिविर में शामिल सभी बालक बालिकाओं एवं अध्यापक वर्ग ने भी नवकार मंत्र का सामूहिक जाप किया। इस अवसर पर शिक्षक संजय कुमार कचोलिया ने कहा कि नवकार महामंत्र यह समस्त श्रेष्ठ आत्माओं और गुणों को नमन करने वाला सार्वभौमिक मंत्र है। यह किसी एक धर्म, पन्थ या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। शिक्षिका वंदना चोपड़ा एवं चंचल गोटावत ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर हनुमंतनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, सचिव सुरेश कुमार धोका, युवक मंडल के सुनील छाजेड़, रोहित बागरेचा ने नवकार दिवस में सहयोग प्रदान किया। मंच संचालन पारसमल दुगड़ ने किया ।

अलसूर संघ में सामायिक साधना में नवकार मंत्र का जाप हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के सदस्यों ने महावीर भवन में संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा के नेतृत्व में 160 आराधकों ने विश्व नवकार दिवस प्रसंग पर सामायिक साधना में नवकार मंत्र का जाप किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने नवकार महिमा बताते हुए कहा कि इस मंत्र में किसी प्रभु विशेष अथवा गुरु विशेष की स्तुति न होकर मात्र गुण स्तुति होने के कारण यह शाश्वत मंत्र माना गया है जिसमें भक्त कोई सांसारिक अभिलाषा न करते हुए मात्र स्वयं के लिए कभी न कभी परमेष्ठि पद में प्रवेश की कामना करता है। इस मंत्र को नमस्कार सूत्र भी कहते हैं, जिसका उच्चारण कर हम उत्कृष्ट नौ करोड़ अरिहंत परमात्मा, अनंत सिद्ध परमात्मा और लोक के उत्कृष्ट नौ हजार करोड़ साधु संतों को नमस्कार कर लेते हैं, इसलिए इसे पावन पवित्र स्मरण स्मरण साधन कहते हैं। नवकार जाप में महिला मंडल, जैन युवक संघ एवं नवकार बहु मंडल ने भी भाग लिया।

कंकर को शंकर बनाने की ताकत है नवकार मंत्र में : मुनि पुलकित कुमार

जयनगर संघ में हुई नवकार महामंत्र की आराधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ मुनिश्री पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में जयनगर के धर्मनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर परिसर में जीतो द्वारा निर्देशित विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने कहा कि नवकार महामंत्र में पतित को पावन और कंकर को शंकर बनाने की ताकत है। इसमें पंच परमेष्ठी स्वरूप महान आत्माओं को नमन किया गया है। मुनिश्री ने कहा, वर्तमान समय में अशांत विश्व को शांति का संदेश देने वाला नवकार महामंत्र है, इससे अहंकार और ममकार विसर्जन की प्रेरणा मिलती है। ङ्कमुनिश्री ने आगे कहा, नवकार महामंत्र को महामंत्र इसलिए कहा जाता है कि इसके जाप से जैन धर्म में उच्च कोटि की साधना करके उत्तम समाधि प्राप्त होती है। मुनि आदित्य कुमारजी ने नवकार महामंत्र गीत का संगान किया। ङ्ककार्यक्रम में जयनगर महिला मंडल ने स्वागत गीत, तूफान मांडोत तथा धर्मनाथ स्वामी भजन मंडली ने नवकार महामंत्र पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। जयनगर संघ के अध्यक्ष चंद्रकुमार सिंघवी ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन रोहित गुरु ने किया। इस मौके पर तपागच्छ से साध्वी जिनर्षिनिधिश्रीजी, हितनिधिश्रीजी उपस्थित थीं। सितार वादक सागर भाई छेड़ा ने नवकार धुन की प्रस्तुति दी। करीब 800 से ज्यादा लोगों ने नवकार महामंत्र का विश्व शांति के लिए जाप किया। कार्यक्रम में जैन समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

'मातृछाया' की सदस्याओं ने पालीताणा में किया नवकार मंत्र का जाप

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की 30 सदस्याओं ने पालीताणा से विश्व कल्याण हेतु नवकार मंत्र का जाप किया। यह आयोजन जीतो के आह्वान पर विश्व कल्याण की भावना से जुड़कर किया गया। सभी सदस्याओं ने गुरुवार को सामूहिक रूप से नवकार मंत्र माला का जाप किया। इस पावन अवसर पर आचार्यश्री जिनेन्द्रसूरीजी, भक्तिवल्लभविजयजी सहित अन्य सम्प्रदायों के संत उपस्थित थे। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना एवं मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने इस पहल की सराहना करते हुए जीतो द्वारा किए जा रहे इस वैश्विक प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम में संगठन की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित थीं। अंत में सभी सदस्याओं ने नवकार मंत्र के सामूहिक जाप के माध्यम से विश्व में शांति, सद्भाव और मंगल की कामना की।

यूरेनियम संवर्धन का अधिकार अमेरिका के साथ वार्ता के लिए आवश्यक : ईरान के परमाणु एजेंसी प्रमुख

दुबई/एपी। ईरान की परमाणु एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूरेनियम संवर्धन के तेहरान के अधिकार की रक्षा करना अमेरिका के साथ किसी भी युद्धविराम वार्ता के लिए आवश्यक है। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के प्रमुख ने ये टिप्पणियां दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई की स्मृति में तेहरान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कीं।

इस्लामी ने कहा, यह उन आवश्यक चीजों में से एक है जिनके बारे में कोई बात नहीं करता। उन्होंने अमेरिका द्वारा ईरान की स्थायी युद्धविराम की 10 सूत्री योजना के एक हिस्से के रूप में (यूरेनियम) संवर्धन को स्वीकार करने से इनकार करने का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। अमेरिका और ईरान के बीच इस समाहांत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में वार्ता होने वाली है।

हनुमंतनगर तेरापंथ भवन में भी गूंजा नवकार मंत्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर द्वारा गुरुवार को तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में जीतो द्वारा विश्व कल्याण के लिए पूरे विश्व में एक साथ एक ही समय पर आयोजित नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप श्रृंखला के तहत नवकार महामंत्र का जाप किया गया। समस्त श्रावक-श्राविका समाज ने महामंत्र अनुष्ठान के इस वैश्विक कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज करवाकर स्वयं की कर्मनिर्जरा के साथ साथ विश्व शांति में अपनी आध्यात्मिक भूमिका का बखूबी निर्वहन किया। सभा के अध्यक्ष गौतम दक ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर सभा, तेयुप व महिला मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री हेमराज मांडोत ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**